दैनिक

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-14, अंक -44 जबलपुर, शुक्रवार 14 मार्च 2025 कीमत-70 पैसे पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

हिंदी से ऐसी नफरत कि स्टालिन ने बजट से रू. ही बदल डाला, जानें तमिल में क्या लिखा

तमिलनाडु सरकार ने बजट में रुपए का सिंबल बदला

तमिलनाडु-(आरएनएस)। एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार के राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और तीन-भाषा नीति के विरोध के संदर्भ में सामने आया है। तमिलनाडु द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख पहलुओं, विशेष रूप से त्रि-भाषा फार्मूले को लागू करने से इनकार करने के परिणामस्वरूप केंद्र ने समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत केंद्रीय शिक्षा सहायता में 573 करोड़ रुपये रोक दिए हैं।

एमके स्टालिन सरकार ने राज्य के बजट लोगो में रुपये के प्रतीक को तमिल अक्षर %रु% से बदल दिया है। यह शायद पहली बार है जब किसी राज्य ने राष्ट्रीय मुद्रा प्रतीक को हटा दिया है। यह घटनाक्रम एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार के राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और तीन-भाषा नीति के विरोध के संदर्भ में सामने आया है। तमिलनाडु द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख पहलुओं, विशेष रूप से त्रि-भाषा फार्मूले को लागू करने से इनकार करने के परिणामस्वरूप केंद्र ने समग्र

शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत केंद्रीय शिक्षा सहायता में 573 करोड़ रुपये रोक दिए हैं।

नीति नियमों के अनुसार, राज्यों को सर्व शिक्षा अभियान के लिए वित्तपोषण प्राप्त करने हेतु एनईपी के दिशानिर्देशों का अनुपालन करना होगा, जिसमें से 60 प्रतिशत धनराशि तमिलनाडु जैसे राज्यों को केन्द्र द्वारा प्रदान की जाती है। पीएम श्री योजना के तहत, संबंधित राज्य को केंद्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना होता है कि वह एनईपी 2020 को लागू करेगा और बदले में केंद्र धन उपलब्ध कराएगा।

2010 में मिला था रुपए का चिन्ह

रुपए का चिन्ह ? देवनागरी लिपि के %र% और लैटिन लेटर %ऋ% को मिला कर बना है, जिसमें एक वर्टिकल लाइन भी बनी हुई है। यह रेखा हमारे राष्ट्रध्वज तथा बराबर के चिन्ह को प्रतिबिंबित करती है। भारत सरकार ने 15 जुलाई 2010 को इस चिन्ह को अपनाया था। मुंबई के पोस्ट ग्रेजुएट रह चुके छात्र उदय कुमार ने चिन्ह को बनाया था। उदय कुमार को ऋछ्र की ओर से 2.5 लाख का इनाम भी दिया गया था। तमिलनाडु में इस वक्त ट्राय लैंग्वेज वॉर, संसद में उठा मुद्दा

तमिलनाडु में इस वक्त ट्राय लैंग्वेज को लेकर विवाद जारी है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केंद्र के बीच नई शिक्षा नीति पर तकरार जारी है। इसको लेकर संसद के बजट सत्र में भी काफी हंगामा हुआ।

संसद के बजट सत्र के पहले दिन से छ्रख्र के सांसद नई शिक्षा नीति का विरोध कर रहे हैं। वे शिक्षा मंत्री और सरकार के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। वे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के करीब पहुंचकर नारेबाजी कर रहे थे।

15 फरवरी= धर्मेंद्र प्रधान ने वाराणसी के एक कार्यक्रम में तमिलनाडु सरकार पर राजनीतिक हितों को साधने का आरोप लगाया। चेन्नई में छ्रख्र की रैली में डिप्टी छ्रू उदयनिधि स्टालिन ने कहा- धर्मेंद्र प्रधान ने खुलेआम धमकी दी है कि फंड तभी जारी किया जाएगा, जब हम ट्राई लैंग्वेज फॉर्मूला स्वीकार करेंगे। लेकिन हम आपसे भीख नहीं मांग रहे हैं। जो राज्य हिंदी को स्वीकार करते हैं, वे अपनी मातृभाषा खो देते हैं। केंद्र लैंग्वेज वॉर शुरू न करें। ट्राई लैंग्वेज विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन को लेटर लिखा। उन्होंने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (ह्रश्वक्क) के विरोध की आलोचना की। उन्होंने लिखा, %किसी भी भाषा को थोपने का सवाल नहीं है। लेकिन विदेशी भाषाओं पर अत्यधिक निर्भरता खुद की भाषा को सीमित करती है। ह्रश्वक्क इसे ही ठीक करने का प्रयास कर रही है।

एमपी में दर्दनाक हादसा- गैस टैंकर ने दो वाहनों को मारी टक्कर, सात लोगों की मौत

भोपाल.(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के धार जिले के बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर बुधवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया. इस हादसे में करीब सात लोगों की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए. बदनावर पुलिस थाना प्रभारी अमित कुशवाह ने बताया कि गैस टैंकर गलत दिशा में जा रहा था. उसने पहले एक पिकअप वाहन को टक्कर मारी और फिर उसके पीछे आ रही कार को भी टक्कर मार दी. टैंकर उज्जैन की ओर जा रहा था, जबकि बाकी वाहन विपरीत दिशा से आ रहे थे.

अधिकारी ने बताया कि यह घटना रात करीब 11 बजे हुई. उन्होंने बताया कि चार लोग मौके पर ही मारे गए, जबकि बाकी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें बदनावर सिविल अस्पताल भेजा गया. मृतकों की संख्या स्पष्ट नहीं हो पाई क्योंकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है और कहा जा रहा है कि उसकी मौत हो गई, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है. अधिकारी ने बताया कि घायलों को अस्पताल भेजा गया और तीनों की हालत गंभीर है. हालांकि, उन्होंने और जानकारी देने से मना कर दिया, क्योंकि पुलिस टीम वाहनों से घायलों को निकालने और अस्पताल पहुंचाने में लगी थी. अन्य पुलिस सूत्रों ने बताया कि कार और पिकअप के मलबे में फंसे दो लोगों को बाद में क्रेन की मदद से निकाला गया. उन्होंने यह भी बताया कि टैंकर चालक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया और पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है.

रिपोर्ट के अनुसार, मृतक सीतामऊ थाना क्षेत्र के मंदसौर के निवासी थे. वे इंदौर से उज्जैन होते हुए मंदसौर लौट रहे थे. पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों और मृतकों के शवों को बदनावर सिविल अस्पताल भेजा. सुबह उनका पोस्टमार्टम किया जाएगा. दुर्घटना इतनी भयावह थी कि पिकअप टैंकर के नीचे फंस गई, जिससे पुलिस के लिए तुरंत पहचान करना मुश्किल हो गया. इसलिए पीड़ितों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है. पुलिस के अनुसार, पिकअप में सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे को अस्पताल भेजा गया. वहीं, कार में सवार चार में से तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई और एक घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया. पीड़ितों की पहचान और फरार टैंकर चालक का पता लगाने के लिए पुलिस जांच कर रही है.

छत्तीसगढ़ के महासमुंद में कार और ट्रक की टक्कर में 6 लोगों की मौत

महासमुंद। (आरएनएस) एनएच 353 पर बागबाहरा के पास गुरुवार को कार और ट्रक की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही खल्लारी पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की सहायता से मृतकों और घायलों को बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, कार क्रमांक सीजी 04 क्यूए 4757 रायपुर से बागबाहरा की ओर जा रही थी, जबकि ट्रक (क्रमांक एचआर 56 बी 7341 बागबाहरा से महासमुंद की ओर आ रहा था। इसी दौरान आमने-सामने की जमकर टक्कर हो गई।

मृतकों की पहचान राजस्व निरीक्षक ताहर सिंह ठाकुर (52), बिन्देश्वरी ठाकुर (48), वैभवी ठाकुर (19), तृप्ति ठाकुर (32), सरोजनी ठाकुर (37) और कार चालक सूरज कंसारी (30) सभी निवासी बागबाहरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि ताहर सिंह ठाकुर रायपुर में अपनी पुत्री से मिलकर वापस बागबाहरा लौट रहे थे। तभी यह घटना हुई।

घटना के बाद पुलिस ने सभी शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागबाहरा भेजा, जबकि घायल ट्रक चालक को उपचार के लिए महासमुंद जिला अस्पताल रेफर किया गया।

सीएम ने कहा कांग्रेस के लोग खा गए टाइगर, रेडीमेड गारमेंट सेक्टर में कार्यरत लाड़ली बहनों को देंगे 5 हजार रुपए इंसेंटिव

भोपाल.(आरएनएस)। मध्यप्रदेश में विधानसभा में बजट सत्र के चौथे दिन आज राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा शुरु हुई. जिसपर मोहन यादव ने कहा कि आपने बोला तो हमने सुना, अब मैं जो बोलूंगा वह आपको सुनना पड़ेगा. श्री यादव ने कहा कि सीएम ने कहा. गांधीजी का विश्व दृष्टि, अंबेडकर की सोच व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विकास अभिभाषण में देखने को मिला है.

सीएम श्री यादव ने आगे कहा कि वर्ष 2047 तक प्रदेश का बजट 28 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने की तैयारी है. स्वास्थ्य सूचकांक में मध्यप्रदेश देश में नंबर एक स्थान पर आया है. नीति आयोग ने मध्यप्रदेश को परफॉर्मर राज्यों की श्रेणी में शामिल किया है. वन पर्यटन के लिए जहां 2003 तक 64 लाख टूरिस्ट ही आते थे. आज की स्थिति में 13 करोड़ से ज्यादा पर्यटक आ रहे हैं. चीते से मिलने जाना हो तो कांग्रेस के लोग श्योपुर जाएं, वहां मिलवा देंगे. माधव नेशनल पार्क में जितने भी टाइगर थे, वे सब कांग्रेस के लोग खा गए. अब हमारी सरकार ने फिर से यहां टाइगर छोड़े हैं. सीएम ने आगे कहा कि लाड़ली बहनों को रेडीमेड गारमेंट में काम करने पर 5000 प्रति महीना इंसेंटिव मिलेगा. एक लाख पदों पर भर्ती की जा रही है. 6440 पदों पर नियुक्ति का निर्णय ले लिया गया है.

अमूल का ब्रांड नहीं सांची का ही ब्रांड रहेगा. डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ हमने एमओयू किया है कि दूध पर 5 प्रति लीटर पर बोनस देंगे. 5 साल में 25 हजार गांवों में दूध उत्पादन समितियों का गठन किया जाएगा. गोशालाओं को 139.65 करोड़ की राशि डीबीटी के माध्यम से डाली गई है. केन बेतवा नदी जोड़ो परियोजना कांग्रेस के कारण 20 साल पीछे रही है. जो योजना 20 हजार करोड़ की थीए वह एक लाख करोड़ तक पहुंच गई है. कोई लाड़ली बहन अगर रेडीमेड गारमेंट में काम करेगी तो उसे 5000 प्रति महीना इंसेंटिव दिया जाएगा. 26 लाख लाड़ली बहनों को 450 में गैस सिलेंडर देने के लिए 769 करोड़ की राशि ट्रांसफर की गई है. वन पर्यटन के लिए जहां 2003 तक 64 लाख टूरिस्ट ही आते थे, आज की स्थिति में 13 करोड़ से ज्यादा पर्यटक आ रहे हैं.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले उज्जैन में 29 लाख श्रद्धालु आते थे. आज 5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु एक साल में महाकाल महालोक पहुंचे हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं ज्यादा पिक्चर नहीं देखता, नाम भूल जाता हूं लेकिन मध्यप्रदेश में फिल्म पर्यटन बढ़ रहा है. यहां फिल्में बनने लगी हैं.मेट्रोपॉलिटन सिटी बनाने का निर्णय सरकार ने लिया है. इंदौर-उज्जैन के बीच मेट्रो ट्रेन का संचालन होगा.

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि एक साल में 61 हजार युवाओं को नौकरी के नियुक्ति पत्र दिए गए हैं. एक लाख पदों पर भर्ती की जा रही है. 6440 पदों पर नियुक्ति का निर्णय ले लिया गया है. इस पर विधायक सचिन यादव ने कहा कि ओबीसी को नियुक्ति देने में देरी की जा रही है. मुख्यमंत्री ने जवाब दिया कि कोर्ट के आदेश का इंतजार है.

आकर्षक नृत्यों एवं हास्य व्यंग्य ने समा बांधा

गुंजन का रसरंग महोत्सव संस्कृति संरक्षण का अनुपम उदाहरण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि) गुंजन कला सदन मध्यप्रदेश ने विगत तीन दशकों में नगर के होली के सांस्कृतिक स्वरूप की पुनर्स्थापना के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया है । अब होली के दिन भी लोग सपरिवार निर्भय होकर घर से बाहर निकलते हैं । उपरोक्त आशय के विचार आज गुंजन द्वारा शहीद स्मारक में आयोजित रसरंग महोत्सव में उपस्थित अतिथियों विधायक लखन घनघोरिया,शरद जैन, रत्नेश सोनकर, सौरभ शर्मा,सनत जैन एक्सप्रेस ने व्यक्त किए । अतिथियों ने नवरंग कथक कला केन्द्र के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत होली के नृत्य गीतों एवं हास्य व्यंग्य सम्राट के. के. नायकर के हास्य धमाकों को स्वस्थ मनोरंजन बताया । कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों सहित आमंत्रितजनों बाबू विश्वमोहन, दिनेश यादव,रिंकू विज,कमलेश अग्रवाल, अमरीश मिश्रा, अयोध्या तिवारी,अमित जेन, कौशल्या गोटिया, रचना त्रिवेदी, मदन तिवारी, नलिनकांत बाजपेयी को शहीद स्मारक के मुख्य द्वार पर माला एवं साफा पहना कर उन्हें बग्घी पर बैठकर उनका स्वागत किया गया । द्वार पर राजेश पाठक प्रवीण एवं आलोक पाठक के संचालन के मध्य यहां उपस्थित संस्था के सद्स्यों डॉ. आनंद तिवारी,लायन नरेन्द्र जैन, डॉ. प्रकाश दुबे,लायन उमेश जैन, यशवंत सेंगर, भरत अग्रहरि, प्रमोद कुशवाहा ने अतिथि स्वागत में भाग लिया । रंगमंच पर अतिथियों एवं संस्था के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन लायन नरेन्द्र जैन ने कराते हुए कार्यक्रम का विवरण प्रस्तुत किया । प्रतुल श्रीवास्तव ने गुंजन की सांस्कृतिक यात्रा पर प्रकाश डाला। सुरेश सराफ, कौशल यादव, हिमांशु तिवारी, इंदिरा पाठक तिवारी ने संस्था के पदाधिकारियों, सदस्यों का परिचय देते हुए उनका स्वागत कराया । नगर अध्यक्ष संजय जैन कीपी ने स्वागत भाषण दिया । प्रांतीय अध्यक्ष डॉ.आनंद तिवारी ने आशीर्वचन कहे । नृत्य एवं हास्य के आकर्षक कार्यक्रम के मध्य नृत्य गुरु मोती शिवहरे एवं हास्य सम्राट के. के. नायकर को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान में संस्था के सुनील श्रीवास्तव, नवनीत माहेश्वरी, सुरेन्द्र जैन, सुनील मंघरानी, डॉ. रजनीश गर्ग, विजय गोस्वामी, राजीव गुप्ता, अखिल मदान, विक्की सोनी, अभिजीत राय, विक्रम पवार शामिल हुए । अभिनंदन पत्र का वाचन अभिषेक अग्रवाल एवं जी. पी. सिंह ने किया । इस अवसर पर संस्थापक गौरीशंकर केसरवानी, गुरवचन सिंह चौपरा, नरेन्द्र जैन एनसी, राजू खादीवाला, डॉ. सत्येंद्र जैन, श्याम चौदहा, अभय जैन, प्रदीप जैन आदि उपस्थित रहे । कार्यक्रम का समापन होलिका दहन के साथ हुआ 7 आभार प्रदर्शन विजय जायसवाल एवं विक्की सोनी ने किया ।

डीएमके के मंत्री की महाभारत के संदर्भ में टिप्पणी

उत्तर-दक्षिण में एक महिला से 5 पुरुष शादी कर सकते हैं

नई दिल्ली-(आरएनएस)। उत्तर-दक्षिण विभाजन गुरुवार को और गहरा गया जब तमिलनाडु के वरिष्ठ मंत्री दुरई मुरुगन ने आरोप लगाया कि उत्तर भारत की संस्कृति में कई पति-पत्नी रखना शामिल है और चेतावनी दी कि तमिलों का अपमान करने वालों की जीभ काट दी जाएगी। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब प्रस्तावित परिसीमन अभ्यास ने भाषा युद्ध के बीच तमिलनाडु और केंद्र के बीच बढ़ती दुश्मनी को और बढ़ा दिया है। एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए, अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए प्रसिद्ध मुरुगन ने कहा कि तमिल रीति-रिवाजों के विपरीत, उत्तर भारतीय परंपराएं बहुविवाह और बहुशासन

को बढ़ावा देती हैं।

महाभारत से तुलना करते हुए मंत्री ने आरोप लगाया कि उत्तर भारतीय संस्कृति में एक महिला को पांच या दस पुरुषों से शादी करने की अनुमति है। इस टिप्पणी को महाभारत में द्रौपदी के पांच पांडवों से विवाह के संदर्भ के रूप में देखा जा रहा है। मुरुगन ने कहा कि हमारी संस्कृति में एक पुरुष एक महिला से विवाह करता है। लेकिन उत्तर भारत में एक महिला पांच या दस पुरुषों से विवाह कर सकती है। साथ ही, पांच पुरुष एक महिला से विवाह कर सकते हैं। यह उनकी संस्कृति है। अगर एक चला गया तो दूसरा आ जाएगा। इस विवाद के केंद्र में परिसीमन है, क्योंकि तमिलनाडु को आशंका है कि यदि नवीनतम जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर परिसीमन किया गया तो वह संसद में अपना प्रतिनिधित्व खो देगा।

वरिष्ठ डीएमके नेता ने कहा कि कांग्रेस और केंद्र में जो भी सत्ता में था, उसने हमसे जनसंख्या नियंत्रण करने को कहा कि हमने तब ऐसा किया और अब जनसंख्या कम हो गई है। लेकिन उत्तर भारत में जनसंख्या कम नहीं हुई। उन्होंने 17, 18, 19 बच्चे पैदा किए। उनके पास कोई और काम नहीं है।

शुभकामना

होली के पुनीत पर्व पर क्षितिज किरण परिवार से जुड़े सभी शुभचिंतकों,सहयोगियों एवं पाठको को हमारी शुभकामनाएं

संपादक

अवकाश सूचना

आज दिन शुक्रवार 14.03.2025 एवं शनिवार 15.03.2025 को होली पर्व पर दैनिक क्षितिज किरण कार्यालय में अवकाश रहेगा। अत: हमारा अगामी अंक दिन सोमवार 17.03.2025 को प्रकाशित होगा।

प्रबंध संपादक

होली के दिन संभल की शाही जामा मस्जिद में ढाई बजे होगी जुमे की नमाज

नई दिल्ली-(आरएनएस)। होली के रंगों से बचाने के लिए मस्जिद के पीछे की दीवारों को तिरपाल से ढक दिया गया है, इसलिए उस क्षेत्र में पेंटिंग त्योहार के बाद की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की टीम की देखरेख में की जाएगी। उत्तर प्रदेश के संभल की शाही जामा मस्जिद की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जफर अली ने बुधवार को घोषणा की कि होली के कारण 14 मार्च को शुक्रवार की नमाज अपराह्न ढाई बजे होगी।

आरबीआई करने जा रहा 100 और 200 के नये नोट, पुराने नोटों का यह होगा

नई दिल्ली.(आरएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 100 और 200 रुपये के नोटों को लेकर बड़ी घोषणा की है. आरबीआई ने कहा है कि वह जल्द 100 और 200 रुपये के नए नोट जारी करने जा रहा है. हालांकि इन नए नोटों की डिजाइन में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा. महात्मा गांधी (नई) सीरीज के मौजूदा 100 और 200 रुपये के नोटों के जैसा होगा. आरबीआई के मुताबिक,

इन नए नोटों पर नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा के साइन होंगे. केंद्रीय बैंक के अनुसार यह एक सामान्य प्रक्रिया है. जिसके तहत हर नए गवर्नर की नियुक्ति के बाद उनके हस्ताक्षर वाले नोट जारी होते है. बता दें कि आरबीआई समय-समय पर मौजूदा गवर्नर के साइन के साथ नए नोट जारी करता है. नए आरबीआई गवर्नर की नियुक्ति के बाद नोटों को जारी करना एक रेगुलर प्रोसेस होता है. नए नोट जल्द ही सर्कुलेशन में आने वाले है. संजय मल्होत्रा ने बीते साल दिसंबर 2024 में आरबीआई के 26वें गवर्नर के रूप में शक्तिकांत दास की जगह ली है. केंद्रीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि पहले जारी किए गए सभी 100 और 200 रुपये के बैंक नोट वैध मुद्रा रहेंगे और उन्हें बदला नहीं जाएगा.

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना अधारताल में सुबह लगभग 11 बजे श्रीमती नंदनी पटैल उम्र 36 वर्ष निवासी सुभाषनगर कचंनपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पति रविकांत पटैल सब्जी का व्यवसाय करते हैं रात लगभग 10 बजे खाना खाकर परिवार सहित सो गये थे रात लगभग 1 बजे घर के बाहर गाली गलौज करने की आवाज आने पर नींद खुलने पर खिड़की से देखी, देवा, राहुल कोल, रवि कोल, कल्लू कोल उसके घर के दरवाजे एवं खिड़की में पत्थर मारे एवं तलवार और कुल्हाड़ी से उसका दरवाजा छतिग्रस्त कर दिया उसके घर के बाजू से उसके देवर शशिकांत के घर का लोहे का दरवाजा एक साईड

विराज यादव ने सरकार को घेरा, बोले - यह युवाओं के साथ विश्वासघात है

मध्यप्रदेश बजट 2025-छात्रों को ना शिक्षा, ना छात्रवृत्ति, ना रोजगार - आखिर यह बजट किसके लिए?

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश विधानसभा में पेश हुए बजट को लेकर एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रवक्ता विराज यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह बजट छात्रों और युवाओं के लिए निराशाजनक ही नहीं, बल्कि उनके भविष्य के साथ छलावा है।

छात्रवृत्ति के नाम पर सिर्फ जुमले, पैसा गया कहां? विराज यादव ने कहा कि प्रदेश के हजारों छात्रों को पिछले साल की छात्रवृत्ति तक नहीं मिली, लेकिन सरकार इस पर मौन है। हर साल सरकार बड़ी-बड़ी घोषणाएं करती है, लेकिन हकीकत यह है कि गरीब और जरूरतमंद छात्रों की छात्रवृत्ति का पैसा न जाने कहां जा रहा है। जो छात्र पढ़ना चाहते हैं, उन्हें सरकार ने उनके हाल पर छोड़ दिया है।

न रोजगार, न भर्तियां - युवाओं का भविष्य अंधकार में उन्होंने कहा कि प्रदेश में लाखों युवा बेरोजगार घूम रहे हैं, सरकारी भर्तियां ठप पड़ी हैं और निजी नौकरियां सिकुड़ रही हैं। बजट में ना नई भर्तियों का जिक्र है, ना भर्ती परीक्षाओं को समय पर कराने की कोई योजना। सरकार युवाओं से सिर्फ वादे करती है, लेकिन रोजगार देने में पूरी तरह फेल हो चुकी है।

शिक्षा महंगी, सरकारी मदद नदारद

विराज यादव ने कहा कि कॉलेजों और यूनिवर्सिटियों की फीस लगातार बढ़ रही है, लेकिन सरकार ने शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

जब छात्रवृत्ति भी नहीं मिलेगी, सरकारी कॉलेजों की फीस भी बढ़ेगी और नौकरियां भी नहीं होंगी, तो क्या युवा सिर्फ ठगी का शिकार होते रहेंगे? विराज यादव ने कहा कि छात्रों और युवाओं को मूर्ख समझने की गलती मत कीजिए। अगर सरकार ने अब भी आँखें नहीं खोलीं, तो इसका जवाब उसे 2028 के चुनाव में मिलेगा।

होला महल्ला पर आज बिखरेंगे गुरुवाणी के रंग

जबलपुर-होली पर सिख समाज द्वारा मनाया जाने वाला महापर्व होला महल्ला आज14 मार्च को नर्मदा के परले तट पर स्थित गुरुद्वारा गौरीघाट में प्रात: 9 बजे से अपराह्न 3.30 बजे तक भव्य कीर्तन समागम और गुरु का लंगर के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा । प्रसिद्ध हजूरी रागी जत्थे, श्रद्धालुओं को गुरुवाणी के इलाही रंगों से सराबोर करेंगे । प्रधानसाहब स. गुलजीत सिंह साहनी, अजीत सिंह चड्ढा, प्रदीप सिंह, जसपाल सिंह चड्ढा, इंदर जीत सिंह मंगी एवं प्रबंधक कमेटी ने उपस्थिति की अपील की है। कमेटी ने नाव की नि:शुल्क व्यवस्था की है।

हितकारिणी देवताल कॉलेज में होली महोत्सव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। हितकारिणी देवताल कॉलेज में होली महोत्सव हितकारिणी आर्ट एवं कॉमर्स कॉलेज देवताल में छात्र छात्राओं द्वारा होली महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें होली के पारंपरिक सांस्कृतिक भारतीय गीतों पर एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली महोत्सव को मनाया ग्रामीण छात्रों ने महाकौशल के प्रसिद्ध होली के अवसर पर गाने वाली फाग का प्रदर्शन कर नृत्य प्रस्तुत किये प्राचार्य डॉ निलेश पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि छात्राओं ने शांतिपूर्वक एक दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दी महाविद्यालय में इस तरीके के आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा को और भारतीय त्योहारों को मनाने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रेरित करने के उद्देश्य किए जाते हैं इस अवसर पर समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे

अंतरक्षेत्रीय विद्युत नाट्य एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन 18 मार्च से

जबलपुर- एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में अंतरक्षेत्रीय विद्युत नाट्य व नृतय प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 19 मार्च तक तरंग प्रेक्षागृह में किया गया है। इस प्रतियोगिता में मंचीय व नुक्कड़ नाटक और एकल व समूह नृत्य की स्पर्धाएं होंगी। प्रतियोगिता में मेजबान केन्द्रीय कार्यालय जबलपुर के अतिरिक्त जबलपुर, सागर, रीवा, शहडोल, भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, उज्जैन क्षेत्र, सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी, संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर, अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई, श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह खंडवा एवं टोंस जल विद्युत गृह सिरमौर की टीमों के भाग लेने की संभावना है। मंचीय व नुक्कड़ नाटक- केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव राजीव गुप्ता ने जानकारी दी कि अंतरक्षेत्रीय विद्युत नाट्य प्रतियोगिता में मंचीय व नुक्कड़ नाटक में पात्रों की अधिकतम संख्या दस निर्धारित की गई है। प्रतियोगिता में कोई भी नाटक तीन वर्ष की अवधि के उपरांत ही पुन: मंचित किया जा सकेगा। नाटक की समयावधि अधिकतम 60 मिनट रखी गई है। एकल व समूह नृत्य-नृत्य स्पर्धा के अंतर्गत एकल व समूह नृत्यों की प्रस्तुति होगी। एकल नृत्य में कत्थक, भरतनाट्यम, ओडिसी, मणिपुरी शैली में प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीम के दो प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। समूह नृत्य के अंतर्गत प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीम के अधिकतम आठ प्रतिभागी शामिल हो सकेंगे। समूह नृत्य में भारतीय लोक नृत्य या विभिन्न क्षेत्रों व अंचलों के लोक नृत्य जैसे बुंदेली, बघेली, छत्तीसगढ़ी, पंजाबी, लावणी, गरबा आदि? नृत्यों की प्रस्तुति दी जा सकेगी। एकल नृत्य की समय सीमा 5 मिनट व समूह नृत्य की समय सीमा 10 मिनट निर्धारित की गई है। केन्द्रीय कार्यालय की टीम घोष?त-अंतरक्षेत्रीय विद्युत नाट्य व नृत्य प्रतियोगिता में भाग लेने वाली केन्द्रीय कार्यालय जबलपुर टीम की घोषणा कर दी गई है।

रानीताल क्षेत्र के समीप कचरे डंपिंग साइट पर बनेगा सिटी लेवल पार्क

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में रानीताल तालाब के समीप कचरे के के उपरांत रिक्त होने वाली भूमि पर पार्क तैयार करने के संबंध में बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव, एस.डी.एम. अधारताल पंकज मिश्रा, उपायुक्त सह नोडल अधिकारी ह्रष्टक्क नगर निगम जबलपुर संभव अयाची, तहसीलदार, अधारताल सुश्री जानकी उईके, जी.आई.एस. एक्सपर्ट बालेन्द्र शुक्ला, सहायक नोडल अधिकारी, नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम, अभिनव मिश्रा, सहा. अर्बन प्लानर, नगर निगम जबलपुर

सुश्री अनमोल संस्कृति एवं टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग कार्यालय जबलपुर आर.एस. पटेल उपस्थित रहे। जी.आई.एस. एक्सपर्ट स्मार्ट सिटी जबलपुर बालेन्द्र शुक्ला द्वारा वर्तमान में कार्य के संबंध में एवं सहा. अर्बन प्लानर सुश्री अनमोल संस्कृति द्वारा प्रस्तावित पार्क हेतु तैयार की गई डिजाइन का प्रस्तुतीकरण किया गया।

बैठक में कलेक्टर दीपक सक्सेना द्वारा रिक्त होने वाली भूमि पर विभिन्न प्रकार के संभावित योजनाओं पर चर्चा की गयी। उनके द्वारा निर्देशित किया गया कि इसके संबंध में दैनिक समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से शहर के नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किये जायें। राजस्व विभाग के उक्त स्थल का सीमांकन शीघ्र किये जाने के लिये निर्देशित किया गया साथ ही टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग विभाग से चयनित भूमि के भू-उपयोग एवं उस पर किये जाने वाली गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराने के लिये निर्देशित किया गया।

होली के पहले संस्कारधानी में हुई बृज की होली

5 महिला संस्थाओं का सामूहिक आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। सनातन परंपरा के अनुरूप रंगो के उत्सव होली के पूर्व संस्कारधानी के 5 महिला संस्थाओं ने मिलकर ब्रज की होली का आयोजन श्रीमती माला राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में होटल गुलजार में किया।

राधा रानी मंडल, फन पंजाबी क्लब, पंजाबी महासंघ महिला विंग, तिलहरी लेडिज क्लब और डीवा क्लब के के संयुक्त तत्वधान में आयोजित होली महोत्सव में फूलों की होली, गुलाल होली, लट्ठमार होली, और लड्डू की होली प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही।

कार्यक्रम में पुनीत लांचे ग्रुप द्वारा रासलीला की प्रस्तुति दी गई। महिलाओ ने मिलकर फूलो और गुलाल की होली खेलते हुए नृत्य कर होली उत्सव मनाया, साथ ही लजीज व्यंजन का आनंद लिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती माला राकेश सिंह ने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा हमारी परंपरा के प्रमुख उत्सव में होली का पर्व आता है जिसमे सभी मिलजुलकर इसे मानते है और महिलाओ में विशेष रूप से इस पर्व को लेकर उत्साह होता है आज का यह आयोजन बहुत ही भव्य और सुन्दर था जिसमे सभी महिलाओं ने सहभागिता की।

इस अवसर पर पूर्व महापौर स्वाति सदानंद गोड़बोले, नीता चावला, नम्रता भाटिया, सीमा सिंह जुग्गी, रुचि गुलाटी, वंदना जिंदल, नीता नारंग, मंजीत चक्कल, प्रतिभा जैन, सीमा सिंह चौहान, सरिता सिंह राजपूत, प्रियंका अग्रवाल के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बस्ती के बच्चों को बांटी होली मनाने हेतु सामग्री

हर घर में हो होली के रंगों की धूम

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। होली का त्यौहार ऐसा त्यौहार है जिसे सभी लोग मिलकर बड़े हर्षोल्लास से मनाते हैं मन मुटाव को भूल सभी प्रेम के रंग में रंग जाते हैं इस त्यौहार से कोई भी अछूता न रहे इस ध्येय के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा नगर मंत्री रंजीत पटेल के नेतृत्व में संजय नगर बस्ती, यादव कॉलोनी में बच्चों को पिचकारियां, रंग गुलाल, मुखौटे एवं टी शर्ट का वितरण किया। रंजीत पटेल ने बताया कि होली रंगों का त्यौहार है इसमें कोई भी अभाव के कारण बेरंग न रहे हर घर में होली के रंगों की धूम हो यहीं हमारा उद्देश्य है एवं बच्चे जिनका मन हमेशा होली की हुड़दंग का इंतजार करता है उन्हें बस्तुएं वितरित करके उनकी होली रंगों से भरने का हमारा प्रयास है प्रतिवर्ष हम सभी भाजपा कार्यकर्ता बच्चों को सामग्री वितरित कर उनके संग होली मनाते हैं। इस अवसर पर शरद पटेल, सनी मिश्रा, आकाश गुप्ता, कमल सिंह, राहुल कनोजिया, अनिकेत चौरसिया, राहुल पटेल, मयंक मिश्रा, शैंकी पटेल, हिमालय विश्वकर्मा, लल्ला रजक आदि उपस्थित थे।

46 वीं अंतरक्षेत्रीय विद्युत महिला खेल प्रतियोगिता का आयोजन 18 मार्च से

जबलपुर, । एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में 46 वीं अंतरक्षेत्रीय विद्युत महिला खेल प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 19 मार्च तक रामपुर परिसर स्थि?त मशाल परिसर व ज्योति क्लब में किया गया है। महिला खेल प्रतियोगिता में पांच खेल स्पर्धाओं शतरंज, टेबल टेनिस, कैरम, बैडमिंटन व टेनीकॉइट का आयोजन होगा। 13 टीमों के भाग लेने की संभावना-केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव राजीव गुप्ता ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता में मेजबान केन्द्रीय कार्यालय जबलपुर के अतिरिक्त जबलपुर, सागर, रीवा, शहडोल, भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, उज्जैन क्षेत्र, सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी, संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर, अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई, श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह खंडवा एवं टोंस जल विद्युत गृह सिरमौर की टीमों के भाग लेने की संभावना है।

प्रत्येक टीम के दो-दो ख?लाड़ी भाग ले सकेंगे-महिला खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित होने वाली पांचों स्पर्धाओं में प्रत्येक टीम के दो-दो खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। इस प्रतियोगिता के आधार पर अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मण्डल महिला खेल प्रतियोगिता के लिए एमपी पावर की टीम का चयन किया जाएगा। एमपी पावर टीम में चयनित खिलाड़ी एक ही स्पर्धा में भाग ले सकेंगे। केन्द्रीय कार्यालय जबलपुर की टीम घोषित-केन्द्रीय कार्यालय जबलपुर ने अंतरक्षेत्रीय विद्युत महिला खेल प्रतियोगिता के लिए अपनी दस सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। केन्द्रीय कार्यालय की ओर से सुरभि अग्निहोत्री व अंजली देशमुख कैरम में, अंजू नीखरे व कविता विश्नोई शतरंज, रजनी धारने व दीक्षा सिंह बैडमिंटन, विद्या झरबड़े व रीति शुक्ला टेबल टेनिस और मनीषा झारिया नीता पटेल टेनीक्वाइट में प्रतिनिधित्व करेंगी।

अध्यक्ष सी.एम. उपाध्याय व महामंत्री अशोक शर्मा ने महाप्रबंधक महोदया के समक्ष उठाए ज्वलंत मुद्दें

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। महाप्रबंधक - रेल मजदूर संघ मुख्यालय पीएनएम की दो दिवसीय बैठक 11/12 मार्च 2025 को सम्पन्न हुई । संघ प्रवक्ता श्री सतीश कुमार ने बताया कि पीएनएम में वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के अध्यक्ष श्री सी.एम. उपाध्याय व महामंत्री श्री अशोक शर्मा ने रेल कर्मचारियो का दर्जनो समस्याओं को पमरे के महाप्रबंधक महोदया श्रीमति शोभना बंधोपाध्याय के समक्ष पुरजोर तरीके से रखा, जिस पर महाप्रबंधक महोदया ने संघ को आश्वाासन देते हुये त्वरित कार्यवाही करते हुये संबंधित अधिकारियो को निराकरण करने के निर्देश दिये । पमरे के भोपाल, कोटा, जबलपुर मंडलो, मुख्यालय, कोटा ,भोपाल कारखानो व शैडो ,विभिन्न स्टेशनो एवं डिपो की ज्वलंत समस्याये जैसे रेल अस्पतालो में पैरा मेडीकल स्टॉफ व विशेषज्ञ चिकित्सको की कमी, गुना स्वास्थ्य केन्द्र में कर्मचारियो की संख्या बढ़ाने, लोको पायलट गुड्स की रिक्तियॉ भरने , कुंभ मेले में विषम परिस्थितियो में ड्यूटी करने वाले रेल कर्मियो को पुरस्कृत करना , ट्रेन मेनेजर की रि-स्ट्रक्चरिंग , कॉटेवाले कैडर से गुड्स गार्ड की पदस्थापना, यूनियन मान्यता चुनाव में ड्यूटी करने वाले रेल कर्मियो को मानदेय मिले, व टीटी रेस्ट हाउस में रनिंग रूम की तरह व्यवस्थाये करना, मुख्यालय स्तर पर अन्तर विभागीय खेल कूद प्रतियोगिताएॅ करने, खिलाड़ियो के लिए स्वीमिंग पुल बनाने, मुख्यालय द्वारा जारी निर्देशो का मंडलो में पालन हो ,एसएण्डटी, इंजीनिरिंग, रंनिंग स्टॉफ आदि की समस्याओ का समाधान, कॉलोनियो व आवासो की जर्जर व्यवस्था को दुरूस्थ करना, समय पर रंगाई पुतााई हो, जर्जर गार्डन का मेंन्टेनेंस हो, कर्मचारी को पर्याप्त रेस्ट ओवर ओवर्स काम बंद हो, उच्च गुणवत्ता के रेल अस्पताल में रेफरल की आसान व्यवस्था हो , लोकल परचेंस से दवाओ की कटौती बंद हो ,महिला कर्मियो के लिए पृथक रेस्ट हाउस व प्रसाधन की व्यवस्थ, स्थानांतरण के प्रकरणो का निराकरण, महाप्रबंधक कार्यालय के समस्त विभागो में केन्द्रीयकृत एयर कूलिंग की व्यवस्था सभी कार्यालयो में समय पर कूलर की सुविधा आदि मुद्दो के निराकरण पर सहमति बनी ।

इंजीनियरिंग को मिलेगे उच्च गुणवत्ता के जूते और जैकट:-

ट्रैक मेंटेनर साथियों तथा इंजी के स्टॉफ को उच्च गुणवत्ता के जूते 1 वर्ष की गारंटी के साथ आगामी जुलाई माह में आवश्यक रूप से दिए जाएँगे साथ ही यह भी निर्णय हुआ की उच्च मानक की जैकेट अगस्त माह में वितरित करने का निर्णय हुआ ।

बैठक में संघ के कार्यकारी अध्यक्ष,बी.एल. मिश्रा, कोषाध्यक्ष, श्री कमलेश परिहार, उपाध्यक्ष, श्री वीरेश तिवारी, मंडल अध्यक्ष श्री एस.के. गुप्ता, श्री राजेश पांडे, श्री एस. एन. शुक्ला, मंडल सचिव श्री डी. पी. अगवाल, अब्दूल खालिक, संयुक्त महामंत्री, श्री आर. के. शर्मा, श्री संदीप श्रोती, सहायक महामंत्री, जे.ए.नियाजी, श्री सतीश कुमार श्री डी. के. शर्मा, श्री अलोक त्रिपाठी,श्री पी.सी.मीना, श्री आर. ए. सिंह, श्री हर्ष वर्मा, श्री धीरज अग्रवाल, श्री अनिल सैनी, श्री रोमेश चौबे, श्री अनिरूद्ध सोनी, वंदना विश्वकर्मा, आस्था डोगरे आदि समेत उपस्थित रहे।

आयुक्त महोदया के द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया जावेगा उपादान राषि का भुगतान।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अजाक्स संघ, नगर निगम अधिकारी कर्मचारी संघ, चालक संघ नगर निगम जबलपुर एवं शासकीय अर्धशासकीय वाहन चालक वेलफेयर एसोसिएशन मध्यप्रदेश के द्वारा आज दिनांक को निगमायुक्त महोदया श्रीमति प्रीति यादव जी को ज्ञापन सौंपते हुये बताया गया कि नगर निगम जबलपुर से सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों को आज दिनांक तक उपादान राषि का भुगतान नहीं किया गया है। साथ ही संघ के द्वारा आयुक्त महोदया को बताया गया कि नगर निगम में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारियों के वेतन से एन.पी.एस. एवं जी.पी.एफ. राषि की कटौती तो की जा रही है किंतु कर्मचारियों के एन.पी.एस. एवं जी.पी.एस. खाते में वह राषि जमा नहीं की जा रही है। संघ के द्वारा की जा रही मांगों को गंभीरतापूर्वक विचार करने के उपरांत आयुक्त महोदया श्रीमति प्रीति यादव जी के द्वारा संघ की मांगों को स्वीकार करते हुये वित्त अधिकारी को निर्देषित किया गया कि नगर निगम से सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों को जल्द से जल्द से उपादान राषि का भुगतान किया जाये।

साथ ही आयुक्त महोदया जी के द्वारा वित्त अधिकारी को यह भी निर्देषित किया गया कि नगर निगम में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन से जो एन.पी.एस. एवं जी.पी.एफ. राषि की कटौती की जा रही है उसे भी कर्मचारियों के एन.पी.एस. एवं जी.पी.एस. खाते में जल्द से जल्द जमा कराया जाये। निगमायुक्त महोदया श्रीमति प्रीति यादव जी को ज्ञापन प्रेषित करने हेतु अजाक्स संघ के अध्यक्ष अमित मेहरा, अचैया कोरी, गुलशन जबलपुरी, जगदीष नन्हेट, श्रीनिवासलू, राजेन्द्र पटेल, मन्नूलाल पटेल, रामाराव मगरदे, समीम भईजान, कालूराम सोलंकी, सामियल, कोयरी नायडू, राहुल कोरी, रामू, जे. प्रवीण, महेन्द्र मलिक, सोनू श्रीवास, सुनील सिगोटिया सहित अधिक संख्या में संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

भोपाल -किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने प्रदेश के बजट वर्ष 2025-26 पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि राज्य सरकार द्वारा किसानों के कल्याण को ध्यान में रखकर बजट तैयार किया गया है। बजट में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत 5220 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। अटल कृषि ज्योति योजना के अंतर्गत 13909 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है। किसानों की सुविधा के लिए 5 हॉर्स पावर के कृषि पंपों, थ्रेसरों तथा एक बत्ती कनेक्शन को निशुल्क विद्युत प्रदाय की प्रतिपूर्ति के अंतर्गत 5299 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है।

30 मार्च को गुड़ी पड़वा से होगा 90 दिवसीय जल गंगा जल संवर्धन अभियान का शुभारंभ-उज्जैन में क्षिप्रा तट से होगी प्रदेशव्यापी जल संरक्षण अभियान की शुरुआत-30 मार्च से 30 जून तक चलेगा अभियान

जल की बूंद-बूंद बचायें, जल से ही सुरक्षित होगा हमारा कल- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पानी से ही जिंदगानी है। हम सभी को जल की बूंद-बूंद बचाने की जरूरत है। जल से ही हम सबका आने वाला कल सुरक्षित है। जल गंगा जल संवर्धन अभियान में जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक गतिविधियां चलाई जाएं। जन सामान्य में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सरकार विभिन्न विभागों, सामाजिक संगठनों और आम जनता की भागीदारी से जल संरक्षण गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगी। अभियान में वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई %जल गंगा जल संवर्धन अभियान% की बैठक ये निर्देश दिए। जल गंगा संवर्धन अभियान गुड़ी पड़वा 30 मार्च से प्रारंभ होकर 30 जून 2025 तक तीन माह लगातार चलेगा।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव उद्यानिकी श्री अनुपम राजन, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, अभियान से जुड़े अन्य विभागों के प्रमुख सचिव सहित सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े व अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अभियान की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देकर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ें। उन्होंने कहा कि जल गंगा जल संवर्धन अभियान से प्रदेश में जल संकट को कम करने में मदद मिलेगी और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभियान के अंतर्गत जल संचय की विभिन्न गतिविधियां चलाई जाएं। उन्होंने कहा कि पौधरोपण एवं जल स्रोतों का पुनर्जीवन, गांव-गांव में जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यों के अलावा सामुदायिक सहभागिता के जरिए जल संरक्षण के प्रयास किए जाएं। अभियान को सफल बनाने के लिए हर स्तर पर प्रयास करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी नागरिकों से भी अपील की कि वे जल संरक्षण की दिशा में सक्रिय योगदान दें और प्रदेश में अभियान के दौरान इसे एक को जन-आंदोलन बनायें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों पर प्याऊ की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि स्कूलों में बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए सकारात्मक अभियान की शुरुआत की जाए। ग्रीष्मकाल में शासकीय स्कूलों में जल संरक्षण की गतिविधियां आयोजित की जाएं। बच्चों के लिए पीने के पानी की टंकी की साफ-सफाई कराई जाए, जिससे विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब, नदियों पर छोटे बांध निर्माण एवं नदियों के संरक्षण के लिए जलधारा के आसपास फलदार पौधों के रोपण और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए है।

राज्य स्तरीय जल गंगा जल संवर्धन अभियान का शुभारंभ आगामी 30 मार्च को वर्ष प्रतिपदा के दिन से उज्जैन की क्षिप्रा नदी के तट से किया जाएगा। लगभग 90 दिन चलने वाले %जल गंगा जल संवर्धन अभियान% का समापन 30 जून 2025 को होगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रदेश व्यापी जल संवर्धन अभियान में जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, पर्यावरण विभाग, नगरीय विकास एवं आवास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्कूल शिक्षा, उद्यानिकी एवं कृषि सहित 12 से अधिक अन्य विभाग एवं प्राधिकरण एक साथ मिलकर कार्य करेंगे। अभियान की थीम %जन सहभागिता से जल स्त्रोतों का संवर्धन एवं संरक्षण% रखी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण आबादी को पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध कराने के लिए पंचायत स्तर पर तालाबों के निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांव-गांव में लोगों को पेयजल एवं किसानों को खेती के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। साथ ही गर्मी के मौसम में वन्य जीवों को भी कोई परेशानी न हो और उन्हें पानी मिले, इसके लिए वन क्षेत्र और प्राणी उद्यानों में जल संरचनाओं को पुनर्विकसित किया जाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जल संरक्षण अभियान देशभर में एक व्यापक जन-आंदोलन बन चुका है। मध्यप्रदेश सरकार भी %खेत का पानी खेत में - गांव का पानी गांव में% के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को प्रदेश की ऐसी सभी नदियों का रिकॉर्ड तैयार करने के निर्देश दिए, जहां जल धाराओं में मगरमच्छ, घड़ियाल, कछुआ समेत अन्य जलीय जीवों को पुनर्स्थापित किया जा सके। उन्होंने कहा कि नर्मदा में डॉल्फिन मछली को छोड़ने की संभावनाओं पर भी विचार किया जाए। इन सभी प्रयासों से नदियों और जलीय जीवों दोनों का संरक्षण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जल गंगा जल संवर्धन अभियान में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्त्रोतों एवं देवालयों में कार्य किए जाएंगे। मंदिरों के निकट जल स्त्रोतों की सफाई में संतों, जनप्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय एवं प्रशासनिक अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। विक्रम संवत् के पहले दिन वरुण पूजन और जलाभिषेक के साथ अभियान की विधिवत शुरुआत की जाएगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने अमृत सरोवर अभियान में 1000 नए तालाबों के निर्माण का लक्ष्य रखा है। इन विकास कार्यों के लिए 200 करोड़ रूपए का व्यय अनुमानित है। तालाब निर्माण के लिए अब तक 300 स्थानों का चयन किया जा चुका है, जियोग्रॉफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) पद्धति से शेष स्थानों की चयन प्रक्रिया 30 मार्च तक पूरी कर ली जाएगी। साथ ही 100 करोड़ रूपए की लागत से 50 हजार नए खेत-तालाब बनाए जाएंगे, ताकि लघु एवं सीमांत किसानों को पर्याप्त मात्रा में सिंचाई के लिए पानी मिले। विभाग द्वारा वर्ष-2025 में एक लाख नए खेत-तालाब बनाने का लक्ष्य भी रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस व्यापक अभियान में प्रदेश की 50 से अधिक नदियों के वॉटरशेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन पर जोर दिया जाएगा। बेतवा सहित अन्य नदियों की जल धाराएं न टूटें, इसके लिए जनसमुदाय की सहभागिता से गेबियन संरचना, ट्रेंच, पौधरोपण, चेकडैम और तालाब निर्माण आदि का विकास कार्य किए जाएंगे।

हर्षोउल्लास के साथ किया गया होलिका दहन

शिव विहार कॉलोनी में प्रति वर्ष अनुसार मनाया गया होलिका दहन पर्व

भोपाल (संदीप पंडा)। राजधानी भोपाल सहित पूरे देश में रंगों का पर्व होली पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। फाल्गुन मास के पूर्णिमा तिथि पर गुरूवार देर शाम नीलबड के शिवविहार कॉलोनी में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी होलिका दहन किया गया। जिसमें कॉलोनी निवासी के साथ साथ गणमान्य लोग उपस्थित थे। शिव विहार निवासी गोलू झारेसिया द्वारा बताया गया कि इसकी तैयारी कई दिनों पूर्व से शुरू कर दी गई थी जिससे प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी कार्यक्रम को भव्यता के साथ किया जा सके। हालांकि भोपाल सहित पूरे देश में भव्यता के साथ होलिका दहन का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों ने होली की परिक्रमा कर पूजा अर्चना कर ढोल-नगाड़े बजाकर फाग गीत गाते हुए सुख समृद्धि की कामना की।

तकनीकी शिक्षा मंत्री के मार्गदर्शन में नवाचारों के लिए तैयार किया गया है सृजन कार्यक्रम

सृजन, समाज के प्रश्नों के समाधानकारक नवाचारों के लिए बनेगा विद्यार्थियों का सशक्त मंच -मंत्री परमार

भोपाल (आरएनएस) भारत की गृहणियों की रसोई में कोई तराजू नहीं होता है, गृहिणियों को भोजन निर्माण के लिए किसी संस्थान में अध्ययन करने की आवश्यकता नहीं होती है। भारतीय गृहिणियों में रसोई प्रबंधन का उत्कृष्ट कौशल, नैसर्गिक एवं पारम्परिक रूप से विद्यमान है। भारत की रसोई, विश्वमंच पर प्रबंधन का उत्कृष्ट एवं श्रेष्ठ उदाहरण है। भारतीय समाज में ऐसे असंख्य संदर्भ, परम्परा के रूप में प्रचलन में हैं। हमारे समाज में हर क्षेत्र में विद्यमान ज्ञान को युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में वर्तमान वैश्विक आवश्यकतानुरूप, पुन: शोध एवं अनुसंधान कर दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने बुधवार को भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सृजन (एसआरजेएएन) कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर कही। मंत्री श्री परमार ने सृजन कार्यक्रम की सूचना विवरणिका

(इन्फॉर्मेशन ब्रॉशर) का विमोचन भी किया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट्स मात्र संस्थान परिसर तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। विद्यार्थियों को, समाज के प्रश्नों के समाधानकारक नवाचारों के लिए सशक्त मंच देने के लिए सृजन कार्यक्रम तैयार किया गया है। विद्यार्थियों को नवाचारों के लिए प्रोत्साहित करने के लिए यह कार्ययोजना तैयार की गई है। इस कार्यक्रम का समापन 11 मई को, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर किया जाएगा। श्री परमार ने सृजन कार्यक्रम की नोडल एजेंसी, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को कार्यक्रम के सफलतम आयोजन के लिए शुभकामनाएं भी दीं। मंत्री श्री परमार ने कहा कि विश्वविद्यालय, शिक्षा में नवाचारी पहल के लिए अन्य संस्थानों के लिए अभिप्रेरणा का केंद्र बनेगा। विद्यार्थियों को शोध एवं अनुसंधान के साथ नवाचार के दस्तावेजीकरण के लिए भी विश्वविद्यालय सहयोग प्रदान करने की दिशा में भी कार्य करें। शोध-अनुसंधान के साथ समाधानकारक नवाचारों का यह सिलसिला, निरंतर जारी रखने में सभी को सहभागिता करने की आवश्यकता है।

तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत का ज्ञान विश्व मंच पर सर्वश्रेष्ठ ज्ञान था, इसलिए भारत विश्वगुरु की संज्ञा से सुशोभित था। हमारे पूर्वज शिक्षित और ज्ञानवान थे लेकिन अतीत के कालखंडों में भारतीय इतिहास का गलत चित्रण किया गया। भारतीय चिंतन और दर्शन को नष्ट कर, भ्रांतियों को स्थापित करने का कुत्सित प्रायोजन किया गया। हमारे पूर्वजों को निरक्षर बताने का कुत्सित प्रयास किया गया, स्वाधीनता के बाद इस ऐतिहासिक छल से मुक्त होने की आवश्यकता थी। हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के माध्यम से, स्वत्व के भाव के साथ राष्ट्र के पुनर्निर्माण का अवसर प्राप्त हुआ है। इसके लिए हमें स्वत्व के भाव की जागृति के साथ, भारतीय ज्ञान परम्परा का अध्ययन करने की आवश्यकता है।

इस बार शहर में मनेगी नशा मुक्त होली नशा हमारे जीवन के लिए हानिकारक और समाज के लिए भी हानिकारक-स्वामी प्रेमानंद जी महाराज

ग्वालियर (आरएनएस)। शहर में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, व्यापारिक एवं खेल संगठनों द्वारा व्यापक रूप से चलाए जा रहे व्यसन मुक्त ग्वालियर अभियान को हर वर्ग का अपार समर्थन मिला है। स्वामी विवेकानंद की 162 वीं जयंती एवं युवा दिवस 12 जनवरी को विशाल मैराथन दौड़ में बच्चों से लेकर बुजुर्गों ने खासकर युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर इस अभियान का आगाज किया था और सामूहिक रूप से उपस्थित आमजनों ने शपथ लेकर शहर को नशा मुक्त बनाने का संदेश दिया था। इसके बाद विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों सहित शहर में कई जगह नशा के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया।

मातृशक्ति ने ग्वालियर जिलाधीश को सौंपे ज्ञापन में शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थान, चिकित्सालय एवं ऐतिहासिक स्थलों के पास से निश्चित दूरी और समय पर नशा के बिक्री केंद्रों को बंद कराने की मांग की गई थी, ताकि युवा पीढ़ी नशे की लत से बच सके।

नियमित जाँच और अंगदान को बढ़ावा देने का किया आह्वान

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएँ, किडनी रोगों से बचें- उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल(आरएनएस) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर किडनी रोगों से बचा जा सकता है। विश्व किडनी दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों से किडनी रोगों के प्रति जागरूक रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियां क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) के प्रमुख कारण हैं। इसके नियंत्रण के लिए समय पर जांच और सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं लेकिन अधिक मात्रा में पानी पीने से बचें। अपने आहार में किडनी के लिए अनुकूल फल और सब्जियाँ शामिल करें और भोजन में प्राकृतिक जड़ी-बूटियों और मसालों का प्रयोग करें। नियमित रूप से व्यायाम करें और धूम्रपान व शराब के सेवन से बचें। साथ ही, चीनी और नमक के अधिक सेवन से परहेज करें ताकि किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित न हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और सभी नागरिकों को उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य सरकार किडनी रोगियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार और डायलिसिस सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 67 डायलिसिस इकाइयाँ कार्यरत हैं। इनमें 325 डायलिसिस मशीनों से मरीजों को राहत प्रदान की जा रही है। अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 तक 5058 मरीजों ने इन सेवाओं का लाभ लिया, और इस अवधि में 1,76,975 डायलिसिस सत्र सफलतापूर्वक संपन्न किए गए। सभी शासकीय चिकित्सालयों में गुणवत्तापूर्ण डायलिसिस सेवा सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन वीडियो मॉनिटरिंग सिस्टम लागू किया गया है, जिससे राज्य स्तर से सभी डायलिसिस इकाइयों पर निगरानी रखी जा रही है।

होली के अवसर पर राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा हैंपर की बिक्री

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा निर्मित उत्पादों से तैयार किए गए होली हैंपर की बिक्री शुरू कर दी गई है। यह प्रयास महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य महिलाओं की आजीविका में वृद्धि करना और होममेड उत्पादों को लोगों तक पहुँचाना है। इन होली हैंपरों में दो प्रकार के पैक हैं 550 रुपये का हैंपर और 750 रुपये का हैंपर। प्रत्येक हैंपर में जैविक गुलाल, होममेड गुजिया, महुआ के लड्डू, मूँगफली के लड्डू, गमचा, कढ़ी लड्डू और अन्य पारंपरिक उत्पाद शामिल हैं।

विशेष हैंपर पीएचक्यू, राग भोपाली, बल्लभ भवन, विकास भवन, रानी कमलापति, भोपाल रेलवे स्टेशन, जिला पंचायत, आजीविका मार्ट, मैरियट होटल, पर्यावास भवन, भोपाल स्थानों पर उपलब्ध हैं। यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाने और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है। सभी नागरिकों से निवेदन है कि वे इन हैंपरों का समर्थन करें और महिला स्वयं सहायता समूहों के इस प्रयास में भागीदार बनें।

प्रदेश को धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने में बजट निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका- राज्य मंत्री लोधी

भोपाल(आरएनएस)पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट प्रदेश को धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह न केवल आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगा। प्रदेश को एक समृद्ध और आधुनिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की यह ऐतिहासिक कदम है। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा कि बजट में पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व क्षेत्र को और सशक्त बनाने के लिए ऐतिहासिक प्रावधान किए हैं। राज्य सरकार ने प्रदेश को पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए कई नई योजनाओं की घोषणा की है। पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व के लिए कुल 1,610 करोड़ रूपये का बजट आवंटित किया गया है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 133 करोड़ रूपये अधिक है। उज्जैन के महाकाल लोक की तर्ज पर ओंकारेश्वर में 'ओंकारेश्वर महालोक' का निर्माण किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को आधुनिक और भव्य सुविधाएँ मिलेंगी।

आचार्य शंकर अद्वैत वेदान्त संस्थान-अद्वैत वेदान्त के प्रणेता आचार्य शंकर के विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए संग्रहालय और अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदान्त संस्थान की स्थापना की जा रही है। वेदान्त पीठ की स्थापना के अंतर्गत 500 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है

श्रीकृष्ण पाथेय योजना- प्रदेश में उन स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा, जहाँ भगवान श्रीकृष्ण के चरण पड़े थे। इसके लिए 10 करोड़ रूपये का बजट आवंटित किया गया है। राम पथ गमन योजना- प्रभु श्रीराम के वनगमन मार्ग और धार्मिक नगरी चित्रकूट के समग्र विकास हेतु 30 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के 14 स्मारकों का निर्माण 507 करोड़ रूपये की लागत से किया जा रहा है।

पर्यटन को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने के लिए राज्य सरकार ने पर्यटन अधोसंरचना और ऐतिहासिक स्थलों के विकास पर ज़ोर दिया है। प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के 14 स्मारकों का निर्माण लगभग 507 करोड़ रूपये की लागत से किया जा

सर्वे भवंतु सुखिन- की भावना के अनुरुप है बजट- मध्यप्रदेश के विकास तथा '2047 के विकसित भारत' को लक्षित करते हुए विकास की गति को बढ़ाने वाला बजट है - मंत्री पटेल

भोपाल-(आरएनएस) पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में विकसित मध्यप्रदेश को बनाने के लिए बजट पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट गरीबों अन्नदाता किसानों युवाओं और महिलाओं के उत्थान के लिए समर्पित है।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सरकार ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास के लिए वर्ष 2025-26 के लिए 19 हजार 50 करोड रुपए का प्रावधान किया है, यह बजट ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार तथा श्रेष्ठ स्टार शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं ग्रामीण सड़कों का विस्तार हर घर जल का लक्ष्य रोजगार के अवसर और आवास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करता है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करने के लिए ग्रामीण विकास से संबंधित महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री ग्रामीण योजना के लिए 4 हजार 400 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को वैकल्पिक सकारात्मक उपयोग की ओर हम आगे बढ़ाएंगे। इसके लिए 4 हजार 50 करोड रुपए का बजट का प्रावधान है, पी.एम.जन-मन आवास योजना जिसमें कि हम देश में नंबर वन है और उनके लिए 1100 करोड़ और पीएम जन-मन सड़क योजना के लिए 1 हजार 56 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अति पिछड़ी जनजाति समूह बैग भारिया, और सहरिया के लिए ऐतिहासिक कार्य हुआ है और उनको विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए यह बजट सहायक होगा।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के लक्षित कार्यक्रम प्रधानमंत्री पोषण निर्माण के लिए 960 करोड़, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लिए 800 करोड़ और प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी तथा जमीन के अंदर जल भराव की योजना प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के लिए 274 करोड रुपए इस बजट में आवंटित किए गए हैं।

मंत्री श्री पटेल ने पशुपालन मछली पालन तथा खाद्य प्रसंस्करण को लेकर कहा कि हम उत्पादन में नंबर वन हैं, लेकिन दूसरे चरण में जो औद्योगिकरण है, प्रोसेसिंग करके हम वैल्यू एडिशन के आधार पर दूसरे आयाम भी हासिल करेंगे, जो हमारे अर्थव्यवस्था को बढ़ाएगा और रोजगार का सृजन भी करेगा। इसके लिए भी 100 करोड रुपए का प्रावधान सराहनीय है।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि पंचायत के सर्वांगीण विकास के लिए सुव्यवस्थित ई पंचायत के लायक व्यवस्थित भवन दे सके, संसाधन दे सकें उसकी तरफ हम अग्रसर हैं। अटल ग्राम सेवा सदन के माध्यम से, अटल सामुदायिक भवनों के माध्यम से गतिविधियों का वो केंद्र बने और प्रशासनिक दक्षता प्राप्त करेगा, जिसके लिए 6 हजार 7 करोड़ रुपए की राशि दी गई है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त करता हूं।

हमने स्टांप ड्यूटी का सदुपयोग किया है इस क्रम में पंचायत का वित्तीय सामर्थ बढ़ाने की दृष्टि से ग्राम स्वराज अभियान में कुल 238 करोड़ तथा अतिरिक्त स्तंभ शुल्क वसूली अनुदान में 2 हजार 41 करोड़ का प्रावधान सरकार के दूरदर्शिता को दर्शाता है। यह राशि बढ़ोतरी हमें काम करने में और सुविधा प्रदान करेगी।मंत्री श्री पटेल ने कहा कि संबल गरीब आदमी के लिए आपदा में सबसे बड़ा सहारा है और हमारी सरकार इस लक्ष्य के लिए समर्पित है इसलिए संबल योजना के अंतर्गत 700 करोड रुपए की यह राशि उन गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित है।

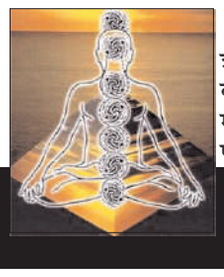

यह संपूर्ण विश्व भगवान श्रीविष्णु की शक्ति से ही संचालित है। वे निर्गुण भी हैं और सगुण भी। वे अपने चार हाथों में क्रमशः शंख, चक्र, गदा और पद्म धारण करते हैं। जो भी किरीट और कुण्डलों से विभूषित, पीताम्बरधारी, वनमाला तथा कौस्तुभमणि को धारण करने वाले, सुंदर कमलों के समान नेत्र वाले भगवान श्रीविष्णु का ध्यान करता है वह भव बन्धन से मुक्त हो जाता है। भक्तिपूर्वक देवदेव विष्णु की एक बार प्रदक्षिणा करने वाला व्यक्ति सारी पृथ्वी की परिक्रमा करने का फल प्राप्त करके बैकुण्ठ धाम में निवास करता है। जिसने कभी भक्ति भाव से भगवान लक्ष्मीपति को नमस्कार किया है,

भाषा के झगड़े को तूल

मराठी को महाराष्ट्र और मुंबई की भाषा है, यहां रहने वाले व्यक्ति को इसे सीखना और बोलना चाहिए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने संघ के वरिष्ठ नेता भैयाजी के बयान के बाद उठे विवाद पर कहा। जोशी ने कहा था, मुंबई की एक भाषा नहीं है, मुंबई में कई भाषाएं हैं। अलग-अलग इलाकों की अलग-अलग भाषाएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई आने वालों को मराठी सीखने की कोई जरूरत नहीं। इस पर विपक्षी महाअघाड़ी में शामिल राजनीतिक दल इस विवाद में एकजुट हो गए और जोशी के बयान की आलोचना की।

हालांकि बाद में जोशी ने बयान से पलटते हुए अपनी टिप्पणी को गलत तरीके से देखे जाने की बात की और मराठी को महाराष्ट्र व मुंबई की भाषा बताया। शिवसेना (उद्धव) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने जोशी पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाए। देश के संविधान में 22 भारतीय भाषा को मान्यता दी गई है, जबकि आधिकारिक भाषाएं आज भी हिन्दी व अंग्रेजी ही हैं। राजनीति के चलते 2018 में इसमें असमिया व मणिपुरी को भी इसमें शामिल किया गया। विभिन्न राज्यों के लोग अपनी-अपनी भाषाओं को संविधान की अनुसूची में शामिल करने की मांग उठाते रहते हैं। स्थानीय स्तर पर इन भाषाओं का महत्त्व होने के बावजूद आम जनता के लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। दक्षिणी राज्यों में भी हिन्दी का जो विरोध होता है, उसके पीछे शुद्ध राजनीतिक कारण हैं। व्यावहारिक स्तर पर जोशी की बात सटीक हाने के बावजूद भाषाई विवाद को तूल देने वाले भी अपनी राजनीति चमकाने का काम कर रहे हैं। यह सही है कि मुंबई में मराठी बोलने वालों से गुजराती बोलने वाले भी कम नहीं हैं।

रंगपर्व होली के धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व को ऐसे समझिए

ब्रज की होली पूरे देश में प्रसिद्ध है। बरसाना की लठमार होली की बात ही कुछ और है। राधा-कृष्ण को भी इस पर्व से जोड़ दिया गया है ताकि सांसारिक प्राणियों को उनका सुख मिलता रहे। खान-पान के नजरिए से मालपुआ इस पर्व का सुप्रसिद्ध पकवान है, जिसको पकाने के तौर तरीके क्षेत्र के हिसाब से बदल जाते हैं।

पर्व-त्यौहारों के देश भारत वर्ष में रंग पर्व होली का त्यौहार प्रमुखता से मनाया जाता है। यह सामाजिक सद्भावना बढ़ाने का लोकपर्व है। इसे वसंतोत्सव भी कहा जाता है। इस त्यौहार का सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी है। इसके देशज पहचान को समझने के लिए हमें विभिन्न राज्यों के प्रचलनों पर गौर करना होगा। उनके स्थानीय भावों को वहां प्रचलित गवनई के माध्यम से समझना होगा। शास्त्रों में इसे शूद्रों अर्थात सेवकों का त्यौहार भी कहा जाता है। इस दिन नए सफेद वस्त्र पहनने और तरह तरह के पकवान खाने का भी रिवाज है।

यूँ तो ब्रज की होली पूरे देश में प्रसिद्ध है। बरसाना की लठमार होली की बात ही कुछ और है। राधा-कृष्ण को भी इस पर्व से जोड़ दिया गया है ताकि सांसारिक प्राणियों को उनका सुख मिलता रहे। वहीं, खान-पान के नजरिए से मालपुआ इस पर्व का सुप्रसिद्ध पकवान है, जिसको पकाने के तौर तरीके क्षेत्र के हिसाब से बदल जाते हैं। ठंडई इस दिन का प्रचलित पेय है जो भांग से बनती है। इसमें मेवा और दूध भी डाले जाते हैं। इन सबको अतिथियों को भी परोसा जाता है। सवाल है कि होली का त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को ही क्यों मनाया जाता है? दूसरा सवाल है कि होली जलाने का क्या

कोई वैज्ञानिक कारण भी है या सिर्फ धार्मिक मान्यता ही है?

जहां तक रंग पर्व होली की धार्मिकता की बात है तो पौराणिक कथा के अनुसार, असुरराज हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद भगवद्भक्त था अर्थात भगवान विष्णु का अनन्य भक्त, जिसकी भक्ति सुरभि से पूरा साम्राज्य सुवाषित हो रहा था। शायद इसलिए असुरराज हिरण्यकशिपु निज पुत्र प्रह्लाद को भगवान श्रीहरि की पूजा करने से मना किया करता था। किन्तु जब भक्तराज प्रह्लाद अपने पिता की बात नहीं माने तो उसने यानी हिरण्यकशिपु ने उन्हें यानी प्रह्लाद को मारने के नानाविध उपाय किये, लेकिन असफल रहा। कभी प्रह्लाद को पहाड़ पर ले जाकर गहरी खाई में गिराया तो कभी अस्त्र-शस्त्र से उसे मारने का प्रयास किया गया, किन्तु हिरण्यकशिपु के सभी प्रयास विफल रहे।

इससे चिंतित हिरण्यकशिपु की बहन होलिका ने कहा- भैया! मैं एक पल में इसे जलाकर मार सकती हूँ। मैं इसे गोद में लेकर जलती चिता में बैठ जाऊँगी और यह जलकर मर जायेगा। क्योंकि मुझे वरदान है कि मैं जलती अग्नि में प्रवेश कर जाऊँ तो भी नहीं जलूँगी। किन्तु होलिका यह भूल गयी थी कि यह वरदान उसे अकेली रहने पर की अवधि के लिए मिला था न कि किसी को साथ लेकर प्रविष्ट होने के लिए। इसलिए वह खुशी-खुशी चिता तैयार करवाकर प्रह्लाद को लेकर बैठ गयी। चिता में उसके ही कहने पर राक्षसों ने आग लगायी। उधर प्रह्लाद आँखें बंद किये हरि के नाम का स्मरण करने में लीन थे। आग लगते ही होलिका जलकर भस्म हो गयी और प्रभु कृपा से प्रह्लाद का बाल भी बाँका न हुआ।

चूंकि यह घटना बिहार के पूर्णिया जिले में पूर्णिमा के समीप ही घटित हुई थी, इसलिए तब से पूर्णिमा के दिन ही उस राक्षसी होलिका को जलाने की प्रक्रिया पूरे देश में हर वर्ष मनायी जाती है। इस प्रकार भारत में आश्विन मास में रावण दहन और फाल्गुन माह में होलिका दहन के द्वारा बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश जनमानस को दिया जाता है। इससे एक सप्ताह पहले और एक सप्ताह बाद तक होली मिलन समारोह मनाया जाता है, ताकि राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक औए सांस्कृतिक समरसता बनी रहे। पहले के राजा और धन्नासेठ और आज के जनप्रतिनिधियों और कारोबारियों के द्वारा भी यह पर्व उल्लास पूर्वक मनाया जाता है। अब तो यह विधान भारतीयों के साथ पूरी दुनिया में पहुंच गया है।

शेखावाटी में चंग पर धमाल गाकर मनाते हैं होली

शेखावाटी अंचल में होली एक सुप्रसिद्ध लोक पर्व है तथा इस पर्व को क्षेत्र में पूरे देश से अलग ही ढंग से मनाया जाता है। उमंग व मस्ती भरे पर्व होली की शेखावाटी क्षेत्र में बसंत पंचमी के दिन से शुरुआत कर दी जाती है। क्षेत्र में होली के पर्व पर चंग की धुन पर गाई जाने वाली धमालों में यहां की लोक संस्कृति का ही वर्णन होता है। इन धमालों के माध्यम से जहां प्रेमी अपनी प्रेमिकाओं को अपने प्रेम का संदेशा पहुंचाते हैं वहाँ श्रद्धालु धमालों के माध्यम से लोक देवताओं को याद कर सुख समृद्धि की कामना करते हैं। धमाल के साथ ही रात्रि में नवयुवक विभिन्न प्रकार के स्वांग भी निकाल कर लोगों का भरपूर मनोरंजन करते हैं। गांवों में स्त्रियां रात्रि में चैक में एकत्रित होकर मंगल गीत, बधावे गाती हैं। होली के दिनों में आधी रात तक गांवों में उल्लास छाया रहता है। उमंग व मस्ती भरे पर्व होली की शुरुआत तब होती है, जबकि बसन्त अपने पूर्ण यौवन पर होता है और बांसुरी की मदहोश करती धुनें और चंग की थाप पर मानव का मन-मयूर नाचने लगता है। होली नजदीक आने पर शेखावाटी में अंचल के गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में ऐसा माहौल देखने को मिल रहा है। शेखावाटी की होली पूरे देश में प्रसिद्ध है। फाल्गुन में सांझ ढलते ही धमाल सुनाई देने लगे हैं। चंग की थाप पर पांव थिरकने लगे हैं और बांसुरी की सुरीली आवाज कानों में मिश्री घोलने लगी है। होली नजदीक आने पर शेखावाटी में अंचल के गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में ऐसा माहौल देखने को मिल रहा है।

शेखावाटी अंचल में होली पर कस्वों में विशेष रूप से गींदड़ नृत्य किया जाता है। गुजराती नृत्य गरवा से मिलता-जुलता गींदड़ नृत्य में काफी लोग विभिन्न प्रकार की चिताकर्षक वेशभूषा में नंगाड़े की आवाज पर एक गोल घेरे में हाथ में डंडे लिए घूमते हुए नाचते हैं तथा आपस में डंडे टकराते हैं।

राजनीतिज्ञों की साफगोई से फ्रीबी कल्चर पर नई राजनीतिक बहस

रंजन श्रीवास्तव

दो मंत्रियों के बयानों ने कम से कम मध्य प्रदेश में फ्रीबी कल्चर पर एक नई राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लगभग एक हफ्ते पूर्व भोपाल में वन नेशन वन इलेक्शन विषय पर बोलते हुए कहा कि बार बार चुनाव के कारण कई बार वोट दिलाऊ फैसले लेने पड़ते हैं कि यह भी दे दो, वह भी दे दो। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बार बार चुनाव होने से वोटों के डर से कई बार ऐसे फैसले भी प्रभावित होते हैं जो बच्चों का भविष्य बना सकते हैं और प्रदेश और देश का विकास कर सकते हैं। जाहिर है केंद्रीय मंत्री का इशारा फ्रीबी कल्चर की तरफ था। इसी तरह अपने बेबाक बयानों के लिए जाने जाने वाले मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल के द्वारा दिए गए एक बयान ने भी समाज में फ्रीबी कल्चर पर सवाल उठाया है। प्रह्लाद सिंह पटेल कुछ दिनों पूर्व राजगढ़ में रानी अवंतीबाई लोधी के प्रतिमा अनावरण के बाद एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब भी नेता आते हैं उन्हें याचिकाओं की एक टोकरी सौंपी जाती है। उन्होंने कहा कि मांगने की आदत के बजाय लोगों में देने की मनोवृति विकसित करनी चाहिए। मुफ्त उपहारों पर अधिक निर्भरता समाज को मजबूत बनाने की बजाय कमजोर बनाती है। लोगों को भीख मांगने की आदत पड़ गयी है। उल्लेखनीय है कि जुलाई 2022 में उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के वक्त प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रीबी कल्चर पर जोरदार हमला किया और कहा कि रेवड़ी कल्चर के लोग यह सोचते हैं कि जनता को फ्री की रेवड़ी देकर वो उन्हें खरीद सकते है। उन्होंने जनता का आवाहन करते हुए कहा कि सबको मिलकर इस रेवड़ी कल्चर के मानसिकता को पराजित करना है और देश की राजनीति से इस कल्चर को हटाना है। 2023 में कर्नाटक विधान सभा चुनाव के वक्त भी प्रधान मंत्री ने रेवड़ी कल्चर पर हमला किया क्योंकि तब उस समय विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस ने लोगों को 5 गारंटी देने की बात कही जिसमें से एक गारंटी 21 से 65 वर्ष के महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रूपये देने का था। रोचक यह है कि इसके पहले कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस चुनावों से पहले कर्नाटक के तर्ज पर 5 गारंटी लांच करती तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना लागू करके 21 वर्ष से ऊपर की महिलाओं को 1250 रूपये प्रतिमाह से शुरुआत करते हुए 3000 रूपये प्रतिमाह की घोषणा कर दी। भाजपा को पहले से ज्यादा सीटें चुनाव में मिलीं। दिल्ली विधान सभा चुनाव के समय आम आदमी पार्टी को पराजित करने के लिए भाजपा ने 2500 रुपए प्रतिमाह महिलाओं को देने का वादा किया जो कि आम आदमी पार्टी की घोषित धनराशि से 400 रूपये प्रतिमाह ज्यादा है। भाजपा की केंद्र सरकार स्वयं किसानो को प्रधान मंत्री सम्मान निधि के नाम पर 2000 रूपये प्रति तीन माह पर देती है। जब देश के प्रधान मंत्री स्वयं और देश की जनता का एक वर्ग खासकर माध्यम वर्ग चाहता है कि फ्रीबी कल्चर पर रोक लगाई जाय केंद्रीय मंत्री चौहान और मध्य प्रदेश के मंत्री पटेल के बयान एक स्वस्थ बहस की जरूरत की तरफ इशारा कर रहे हैं

सामाजिक भेदभाव को मिटाकर सबको गले मिलने का अवसर उपलब्ध कराता है होली का त्योहार

वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला महत्वपूर्ण त्योहार है होली। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को पड़ने वाला रंगों का यह त्योहार सामाजिक भेदभाव को मिटाकर सबको गले मिलने का अवसर उपलब्ध कराता है। इस दिन हर वर्ग के लोग टोलियां बनाकर अपने घर से निकलते हैं और दूसरों के घर जाकर रंग लगाते हैं, मिठाई खाते, खिलाते हैं और एक दूसरे को शुभकामनाएं प्रदान करते हैं। कई जगह तो इन टोलियों की ओर से सांस्कृतिक आयोजन भी किये जाते हैं। यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते है। दूसरे दिन, जिसे धुलेंडी कहा जाता है, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं और ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं। होली पर्व के आने की सूचना होलाष्टक से प्राप्त होती है, होलाष्टक को होली पर्व की सूचना लेकर आने वाला एक हरकारा कहा जा सकता है। होली ब्रज क्षेत्र में तो पूरे 9 दिनों के त्योहार के रूप में मनाई जाती है। धुलेंडी के दिन रंग और गुलाल के साथ इस पर्व का समापन होता है।

होली पर सच्चाई के रंग भरे और सब एक हो जायें

होली एक ऐसा त्योहार है, जिसका धार्मिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं की रोशनी में होली के त्योहार का विराट् समायोजन बदलते परिवेश में विविधताओं का संगम बन गया है, दुनिया को जोड़ने का माध्यम बन गया है। हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहाँ पर मनाये जाने वाले सभी त्यौहार समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। वस्तुतः होली आनंदोल्लास का पर्व है। होली प्रेम, आपसी सद्भाव और मस्ती के रंगों में सराबोर हो जाने का अनूठा त्यौहार है। यद्यपि आज के समय की गहमागहमी, मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़ से होली की परम्परा धुंधली हो रही है। परिस्थितियों के थपेड़ों ने होली की खुशी को प्रभावित भी किया है, फिर भी जिन्दगी जब मस्ती एवं खुशी को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तक प्रकृति हमें होली जैसा रंगारंग त्योहार देती है। होली ही एक ऐसा त्योहार है, जिसके लिये मन ही नहीं, माहौल भी तत्पर रहता है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक सचेतन माहौल बनाएं, जहां हम सब एक हो और मन की गन्दी परतों को उतार फेंके ताकि अविभक्त मन के आईने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए। एक तरह से देखा जाए तो यह उत्सव प्रसन्नता को मिल-बांटने का एक अपूर्व अवसर होता है। होली की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसको मनाते हुए हम समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। इस त्योहार को मनाने के पीछे की भावना है मानवीय गरिमा को समृद्धि प्रदान करना, जीवनमूल्यों की पहचान को नया आयाम प्रदत्त करना। हम कितने भोले हैं कि अपनी संस्कृति एवं आदर्श परम्पराओं को हमीं मिटा रहे हैं। स्वयं अपना घर जला कर स्वयं तमाशा बन रहे हैं। आखिर हमीं तो वे लोग हैं जिन्होंने देश की पवित्र जमीं के नीचे हिंसा, अन्याय, शोषण, आतंक, असुरक्षा, अपहरण, भ्रष्टाचार, अराजकता, अत्याचार जैसे घिनौने तत्वों की गहरी और लम्बी सुरंगें बिछाकर उन पर अपने स्वार्थों का बारूद फैला दिया बिना कोई परिणाम सोचे, बिना भविष्य की संभावनाओं को देखे। इन अंधेरों एवं जटिल हालातों के बीच होली जैसे त्योहार हमारी रोशनी की इंजतार एवं उजालों की कामना को पूरा करने के लिये हमें तत्पर करते हैं। आलम जो होली के दिनों में जुनून बन जाता है, कितना स्थायी है? डफली की धुन एवं डांडिया रास की झंकार में मदमस्त मानसिकता ने होली जैसे त्योहार की उपादेयता को मात्र इसी दायरे तक

रंग बिरंगी होती है राजस्थान में होली

होली का त्यौहार हर साल पूरे भारत में बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। राजस्थान में भी ठीक उसी तरह होली मनाई जाती है। होली जिसे मूल रूप से 'होलिका' के नाम से जाना जाता है। केवल एक आधुनिक उत्सव नहीं है बल्कि भारतीय संस्कृति में गहराई से अंतर्निहित एक सदियों पुरानी परंपरा है। इसके शुरुआती संदर्भ जैमिनी के पूर्वमीमांसा-सूत्र और कथक-गृह्य-सूत्र जैसे प्राचीन धार्मिक कार्यों में पाए जा सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि होली आर्य सभ्यता में मनाई जाती थी। होली वसंत ऋतु की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है। होली महोत्सव की विशिष्ट तिथि हर साल अलग-अलग हो सकती है, क्योंकि यह हिंदू कैलेंडर में फागुन महीने की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। होली के अवसर पर राजस्थान के विभिन्न शहरों में कई तरह के आयोजन किए जाते हैं। राजस्थान में होली के विविध रंग देखने में आते हैं। होली के दिनों में जयपुर के इष्टदेव गोविंद देव मंदिर में नजारा देखने लायक होता है। राजस्थान के मंदिरों में होली पर रंग-गुलाल के साथ फाग उत्सव का आयोजन किया जाता है। बीकानेरी होली का सबसे आकर्षण का केन्द्र होता है पुष्करणा समाज के हर्ष व व्यास जाति के बीच खेला जाने वाला डोलची। पानी का खेल डोलची चमड़े से बना एक ऐसा पात्र है जिसमे पानी भरा जाता है

शिक्षा में स्मार्टफोन के प्रचलन से एकाग्रता एवं हेल्थ खतरे में

भारत में 21 राज्यों के ग्रामीण समुदायों में 6-16 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों के 6,229 अभिभावकों के बीच किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण से पता चला कि अधिकतर बच्चे पढ़ाई के बजाय मनोरंजन एवं अश्लील सामग्री के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं।

शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर दुनियाभर में हलचल है, बड़े शोध एवं अनुसंधान हो रहे हैं, जिनके निष्कर्षों एवं परिणाम को देखते हुए कड़े कदम भी उठाये जा रहे हैं। शोध एवं अध्ययनों के तथ्यों ने चौंकाया भी है एवं चिन्ता में भी डाला है। पाया गया कि जो छात्र अपने फोन के करीब रहकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें ध्यान केंद्रित करने में बहुत मुश्किल होती है, भले ही वे इसका उपयोग न कर रहे हों। स्मार्टफोन के उपयोग से नींद की गुणवत्ता कम होने, तनाव बढ़ने, एकाग्रता बाधित होने, स्मृति लोप होने, अवांछित सामग्री का अधिक उपयोग करने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ने जैसे खतरे उभरें हैं। इन बढ़ते खतरों को देखते हुए दुनियाभर में कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिसे लेकर, कई देशों में बच्चों की शिक्षा और निजता पर इसके प्रभाव को लेकर बहस जारी है। 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (यूनेस्को) की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) टीम के अनुसार, 60 शिक्षा प्रणालियों या वैश्विक स्तर पर पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों का 30 प्रतिशत ने विशेष कानूनों या नीतियों के माध्यम से 2023 के अंत तक स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत में अभी इस ओर कोई कदम नहीं उठाया गया है।

सर्वेक्षण के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि डिजिटल शिक्षा और स्मार्टफोन के इस्तेमाल में बच्चों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। यह बदलाव शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रहा है, लेकिन साथ ही इसके साथ कई चुनौतियाँ भी हैं, डिजिटल शिक्षा को संतुलित और सुरक्षित बनाना आने वाले समय में एक प्रमुख चुनौती है। डिजिटल शिक्षा के बढ़ते प्रभाव के साथ, यह आवश्यक हो गया है कि स्मार्टफोन और इंटरनेट का सही, संयमपूर्ण और सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित किया जाए ताकि बच्चों का विकास सही दिशा में एवं समग्रता से हो। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नए शैक्षिक प्रयोगों में मोबाइल की अपेक्षाओं को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं पैदा कर रहा है। सर्वविदित है कि विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र-छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल करने से पढ़ाई में बाधा आती है, नैसर्गिक शैक्षणिक गुणवत्ता आहत होती है।

भारत में 21 राज्यों के ग्रामीण समुदायों में 6-16 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों के 6,229 अभिभावकों के बीच किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण से पता चला कि अधिकतर बच्चे पढ़ाई के बजाय मनोरंजन एवं अश्लील सामग्री के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि जिन छात्रों के पास गैजेट्स हैं, उनमें से 56.6 प्रतिशत ने डिवाइस का इस्तेमाल मूवी डाउनलोड करने और देखने के लिए किया, जबकि 47.3 प्रतिशत ने उनका इस्तेमाल संगीत डाउनलोड करने और सुनने के लिए किया। सर्वेक्षण से पता चला है कि ग्रामीण भारत में 49.3 प्रतिशत छात्रों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है, लेकिन उनमें से केवल 34 प्रतिशत ही पढ़ाई के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

वैश्विक स्तर पर, आज दुनिया भर में 6.378 बिलियन स्मार्टफोन उपयोगकर्ता हैं-जो कि कुल आबादी का लगभग 80.69 प्रतिशत है। इसमें दो मत नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल-कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया। आललाइन कक्षाओं के बढ़ते प्रचलन में लगने लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही साबित हुआ है। निश्चित तौर पर ये उनके भटकाव, गुमराह, दिग्भ्रमित और मानसिक विचलन का कारण भी बना है। इसी कारण कई देशों में स्कूलों में स्मार्टफोन पर बैन लगा दिया है, क्योंकि इन देशों का मानना है कि यह बच्चों की शिक्षा और उनकी गोपनीयता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

अनेक देशों में हुए सर्वेक्षणों ने स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। इनकी रिपोर्ट एवं चौंकाने वाले तथ्य भारत में शिक्षा के नीति-नियंताओं की आंख खोलने वाले हैं। यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आधुनिक शिक्षा के साथ आधुनिकीकरण एवं विकास की अपेक्षा को दर्शा कर तमाम पब्लिक स्कूलों में मोबाइल के उपयोग को अनिवार्य बना दिया गया। निस्संदेह, आधुनिक समय में स्मार्टफोन कई तरह से शिक्षा में मददगार है। लेकिन यहां प्रश्न इसके अनियंत्रित एवं अवांछित प्रयोग का है। साथ ही दुनिया में अनियंत्रित इंटरनेट पर परोसी जा रही अनुचित, अश्लील, अनुपयोगी सामग्री और बच्चों पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों पर भी दुनिया में विमर्श जारी है। मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग छात्रों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए बुरा है तथा इसके लगातार उपयोग से चिंता का स्तर बढ़ता है, आत्म-सम्मान कम होता है तथा अकेलेपन की भावना बढ़ती है।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। हार्डवेयर का कारोबार कर रहे लोगों को आज अच्छा लाभ होगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहने वाला है।

वृष राशि: आज का दिन आपको कारोबार में लाभ दिलाने वाला है। आज आपको किसी ख़ास रिश्तेदार से मिलने का मौका मिलेगा। सी-टीईटी की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी मेहनत जारी रखने की जरूरत है,

मिथुन राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको किसी प्रकार का शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर में उत्साह का माहौल रहेगा। आज ऑफिस में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी, आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको बाहर के मसालेदार खाने से परहेज करने की जरूरत है, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज ऑफिस में अपना पूरा फोकस काम पर रखें।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। रेस्टोरेंट का कारोबार शुरू करने का विचार बना रहे लोगों को किसी बड़े की सलाह लेनी चाहिए। आज विद्यार्थी वर्ग किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल रहेंगे।

कन्या राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। शिक्षकों के ट्रांसफर में आ रही परेशानी आज खत्म होगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आप चुस्त दुरुस्त बने रहेंगे।

तुला राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। बैंक से लोन लेने में आ रही परेशानी आज खत्म होगी। राजनीति से जुड़े लोगों को आज सम्मानित किया जायेगा।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन नए व्यापार को शुरू करने के लिए बढ़िया रहेगा। आज ऑफिस से जरूरी कॉल आ सकती है, आज आपको मीटिंग अटेंड करनी पड़ सकती है।

धनु राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आप वाहन खरीदने का विचार परिवार के साथ कर सकते हैं।

मकर राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको कार्य क्षेत्र में अपने विरोधियों से सतर्क रहने की जरुरत है। लवमेट को आज काफी देर तक फोन पर बात करने का अवसर मिलेगा।

कुंभ राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्या से काफी राहत मिलेगी। जीवनसाथी के साथ कई दिनों से चल रही गलतफहमियां आज दूर होंगी, जिससे आपका रिश्ता और मजबूत बनेगा।

मीन राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। दांपत्य जीवन में सुख सौहार्द की वृद्धि होगी। आज किसी पर अधिक भरोसा करने से पहले उसे अच्छे से जान लें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बड़ी जीत को बुधवार को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि ये परिणाम मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के विकास कार्यों में लोगों के अटूट विश्वास की अभिव्यक्ति हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक लगाने के छह महीने से भी कम समय में सत्तारूढ़ भाजपा ने बुधवार को राज्य में नगर निगम चुनावों में भारी जीत दर्ज करते हुए महापौर की दस में से नौ सीटों पर कब्जा कर लिया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हरियाणा निकाय चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक विजय के लिए हरियाणा के मेरे परिवारजनों का बहुत-बहुत आभार।

राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर हंगामा, कहा

क्या-क्या ठोकना है, हम ठीक से ठोकेंगे

नईदिल्ली (आरएनएस)। बजट सत्र के दूसरे चरण में मंगलवार को राज्यसभा में नई शिक्षा नीति (एनईपी) और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बयान पर जोरदार हंगामा देखने को मिला।

नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शिक्षा मंत्री के बयान की निंदा की। इस दौरान जब उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने उन्हें रोका तो उन्होंने कहा कि यहां तानाशाही चल रही है। क्या-क्या ठोकना है, हम ठीक से ठोकेंगे।

इस बयान पर भाजपा नेता भड़क उठे। बाद में खड़गे को माफी मांगनी पड़ी।

दरअसल, एनईपी पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह को बोलने के लिए मौका मिला था, लेकिन इस दौरान खड़गे ने बीच में बोलना शुरू कर दिया।

उपसभापति ने उन्हें पहले बोलने को मौका दिए जाने की बात कहते हुए बैठने को कहा। इस पर खड़गे नाराज हो गए और कहा, सुबह शिक्षा मंत्री नहीं थे। यहां तानशाही चल रही है। आपको क्या-क्या ठोकना है, हम ठीक से ठोकेंगे।

इस पर सदन में भाजपा सांसदों ने हंगामा कर दिया।

खड़गे के शब्द चयन को सुधारने के लिए उपसभापति ने सही शब्दों का चयन भी खुद ही करवाया।

ठोकेंगे वाली बात पर उपसभापति ने कहा कि आप दोनों (सत्ता पक्ष और विपक्ष) आपस में बहस करेंगे। मैं उम्मीद करता हूं कि आप बहुत अनुभवी है और देश के लोग आपसे बहुत कुछ सीखेंगे।

इसके बाद खड़गे को खड़गे को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने फिर से कहा, हम सरकार को ठोकेंगे।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने खड़गे की टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा, नेता प्रतिपक्ष तजुर्बेकार हैं, लंबे समय तक संसदीय कार्य के रूप में नेतृत्व किया। सदस्य के रूप में भी काम किया, लेकिन अभी जो भाषा का इस्तेमाल किया है वो निंदनीय है।

उन्होंने कहा, खड़गे को टिप्पणी पर माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने चेयर के प्रति जो शब्द का इस्तेमाल किया है, वो अस्वीकार है। ये माफी योग्य नहीं है, फिर भी उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

मामले में भाजपा ने खड़गे को घेरना शुरू कर दिया तो उन्होंने भरे सदन में माफी मांग ली। खड़गे ने कहा, उपसभापति जी, मैं माफी मांगता हूं। मैंने ये शब्द आपके लिए नहीं बोला। मैं ठोकेंगे शब्द सरकार की नीतियों के लिए बोला था कि हम सरकार की नीतियों को ठोकेंगे। अगर मेरी बात से आपको ठेस पहुंची है तो मैं माफी मांगता हूं।

उन्होंने कहा, मैं आपसे (उपसभापति) माफी मांगने को तैयार हूं, लेकिन सरकार से माफी नहीं मांगूंगा। खड़गे ने आगे कहा कि अगर तमिलनाडु की जनता को मंत्री धर्मेंद्र प्रधान असभ्य कहेंगे, उनके स्वाभिमान को चोट पहुंचाने का काम करेंगे तो ऐसे मंत्री से इस्तीफा लेना चाहिए। ये लोग देश को तोड़ने की बात करते हैं। इसके बाद नड्डा ने खड़गे की माफी की सराहना की, लेकिन कहा कि अगर उन्होंने सरकार की नीतियों के बारे में भी ऐसी टिप्पणी की है तो इसे सदन की कार्यवाही से हटाना चाहिए। इसके बाद और हंगामा हो गया।

सरकार ने आव्रजन और विदेशी विधेयक 2025 लोकसभा में पेश किया, कांग्रेस ने किया विरोध

नईदिल्ली,(आरएनएस)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में आव्रजन और विदेशी विधेयक 2025 पेश किया। इसका उद्देश्य भारत के आव्रजन कानूनों को आधुनिक बनाना और उन्हें मजबूती प्रदान करना है। इसके साथ ही यह भारत में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के रास्ते भी खोलेगा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से इस विधेयक पेश किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हरियाणा के हिसार में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान एक छात्र को डिग्री प्रमाण पत्र प्रदान करती हुई.

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने नई दिल्ली में लोकसभा और रा%य विधानसभाओं में 33ब महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर संसद घेराव प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

अंतरिक्ष में फंस कर भी इतिहास रच रही सुनीता विलियम्स, बनाए दो अनोखे रिकॉर्ड

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स, जो पिछले नौ महीनों से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ढ्डस्स्) में फंसी हुई हैं, अगले सप्ताह पृथ्वी पर लौटने के लिए तैयार हैं। इस दौरान उन्होंने कई चुनौतियों का सामना किया, लेकिन उनकी दृढ़ता और हौसला कायम रहा।

अंतरिक्ष में अपने विस्तारित प्रवास के दौरान, सुनीता विलियम्स ने कई महत्वपूर्ण वैज्ञानिक प्रयोग किए। उन्होंने 900 घंटे से अधिक समय रिसर्च में बिताया है, जो अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान है। सुनीता विलियम्स ने बनाया कीर्तिमान

अपने अंतरिक्ष मिशन के दौरान, सुनीता विलियम्स ने कई नए रिकॉर्ड बनाए हैं। उन्होंने तीन अंतरिक्ष मिशनों में 600 दिनों से अधिक समय बिताया है, और कुल 62 घंटे और 9 मिनट तक स्पेसवॉक किया है। यह किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री द्वारा किया गया सबसे लंबा स्पेसवॉक है।

900 घंटे का गहन रिसर्च

अपने वर्तमान मिशन में, सुनीता विलियम्स ने बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान को उड़ाने का कार्यभार भी संभाला, जिसके निर्माण में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह यान नासा के लिए 4.2 बिलियन डॉलर की लागत से तैयार किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ढ्डस्स्) पर रहते हुए, उन्होंने विभिन्न उपकरणों और प्रणालियों को बदलने, स्टेशन की सफाई करने और पृथ्वी पर कचरा वापस भेजने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में योगदान दिया। सुनीता विलियम्स 150 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोगों में शामिल रहीं, जिनमें 900 घंटे से अधिक का गहन रिसर्च शामिल है।बैरी विल्मोर भी सुनीता विलियम्स के साथ

सुनीता विलियम्स के साथ, उनके साथी अंतरिक्ष यात्री बैरी (बुच) विल्मोर भी कई महीनों से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ढ्डस्स्) पर हैं। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों ने पिछले साल 5 जून को बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान के पहले क्रू मिशन पर उड़ान भरी थी और 6 जून को अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे थे। यह मिशन मूल रूप से आठ दिनों का था, लेकिन इसे बाद में बढ़ा दिया गया। पृथ्वी पर लौटने पर एक और रिकॉर्ड

पृथ्वी पर वापसी के साथ ही सुनीता विलियम्स एक और अनूठा रिकॉर्ड बनाएंगी। वह चार अलग-अलग अंतरिक्ष कैप्सूल ङ्क स्पेस शटल, सोयुज, बोइंग स्टारलाइनर और स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन ङ्क उड़ाने वाली पहली अंतरिक्ष यात्री बन जाएंगी।

सुनीता विलियम्स की यह अंतरिक्ष यात्रा विज्ञान और मानव अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उनकी सुरक्षित वापसी का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

तमिलनाडु के किसान संगठन एमएसपी को कानूनी रूप देने की मांग को लेकर 19 मार्च को तेनकासी में करेंगे आंदोलन

चेन्नई (आरएनएस)। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) की तमिलनाडु इकाई ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी रूप देने की मांग को लेकर 19 मार्च को तेनकासी में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। यह प्रदर्शन एसकेएम और केंद्र सरकार के बीच चंडीगढ़ में तीसरे दौर की वार्ता के साथ एकजुटता दिखाने के समर्थन में होगा। एसकेएम नेता पीआर पांडियन ने कहा कि इस प्रदर्शन में तमिलनाडु के सभी हिस्सों से बड़ी संख्या में किसान शामिल होंगे। यह प्रदर्शन एमएसपी के कानूनी क्रियान्वयन की मांग को लेकर व्यापक आंदोलन का हिस्सा है, जो देश भर के किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग है। केंद्र सरकार पहले ही इस संबंध में दिल्ली में एसकेएम प्रतिनिधियों के साथ दो दौर की चर्चा कर चुकी है। हालांकि, इन चर्चाओं से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला और न ही सरकार ने इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को लागू करने के लिए कोई कदम उठाया। तीसरे दौर की वार्ता 19 मार्च को चंडीगढ़ में होगी, जहां एसकेएम के सदस्य एक बार फिर अपनी मांगों को रखेंगे। 5 मार्च को एसकेएम की तमिलनाडु इकाई ने दिल्ली में चल रहे किसानों के विरोध प्रदर्शन के समर्थन में 'तमिलनाडु के चावल के कटोरे' के रूप में जाने जाने वाले तंजावुर में भूख हड़ताल की थी।

मथुरा के नंदगांव में %रंगोत्सव 2025% के दौरान लट्ठमार होली मनाते हुए भक्त गुलाल (रंग पाउडर) से खेलते हुए.

रेप साबित करने के लिए प्राइवेट पार्ट पर चोट जरूरी नहीं', एससी ने की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले को लेकर सुनवाई करते हुए अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि दोष सिद्ध करने के लिए प्राइवेट पार्ट्स पर चोट के निशानों का होना जरूरी नहीं है। अन्य सबूतों को भी आधार बनाया जा सकता है।

जस्टिस संदीप मेहता और प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई की। ये मामला करीब 40 साल पुराना है। कोर्ट ने 1984 में बीए की छात्रा से बलात्कार के लिए एक व्यक्ति की दोषसिद्धि को बरकरार रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 19 मार्च 1984 को पीड़िता ट्यूशन के लिए आरोपी के घर गई थी, जब उसने उसका यौन उत्पीड़न किया। उसने उसे धमकी भी दी कि अगर उसने शोर मचाया तो वह उसे जान से मार देगा।

इस मामले में व्यक्ति को पांच साल की सजा हुई है। एक ट्यूशन टीचर पर अपनी ही छात्रा के साथ दुष्कर्म करने का आरोप था। टीचर की ओर से दलील दी गई थी कि पीड़िता के प्राइवेट पार्ट्स पर कोई भी निशान नहीं था इसलिए दुष्कर्म साबित नहीं किया जा सकता है। उसका कहना था कि पीड़िता की मां ने उसपर गलत आरोप लगाए हैं। हालांकि, कोर्ट ने आरोपी की ओर से दी गई दलीलों को खारिज कर दिया।

400 लड़कियां हुईं गायब, 25 साल से पहले कर दो शादी', भाजपा नेता के दावे से मची खलबली

नई दिल्ली (आरएनएस)। भाजपा नेता पी.सी. ने दावा किया कि केरल के मीनाचिल तालुका में 'लव जिहाद' के कारण 400 लड़कियां गायब हो गईं। उन्होंने ईसाई समुदाय से अपनी बेटियों की शादी 24 साल की उम्र से पहले कराने का आग्रह किया। जॉर्ज नफरती भाषण के एक मामले में अभी जमानत पर बाहर हैं।

भाजपा नेता पीसी जॉर्ज ने 'लव जिहाद' को लेकर भी ईसाई समुदाय को चेतावनी दी है। उनका कहना है कि सिर्फ मीनाचिल तालुक में ही 400 लड़कियां 'लव जिहाद' का शिकार हो चुकी हैं। जॉर्ज ने यह विवादित बयान पाला में एक विशेष सम्मेलन को संबोधित करते हुए दिया। यह सम्मेलन नशे के खतरे के खिलाफ पाला धर्मप्रांत के बिशप जोसेफ कल्लारंगट और केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल के टेंपरेंस कमीशन के नेतृत्व में आयोजित किया गया था।

400 लड़कियां लव जिहाद में फंस गई

कार्यक्रम में बीजेपी नेता ने कहा, 'कोट्टायम की मीनाचिल तालुक में ही करीब 400 लड़कियां लव जिहाद में फंस गई हैं। सिर्फ 41 ही उनमें से वापस आई हैं। ऐसा क्यों हो रहा है कि ईसाई लड़कियों के माता-पिता अपनी बेटियों की शादी के लिए 25 साल का होने का इंतजार कर रहे हैं। मैं पैरेंट्स से कहना चाहता हूं कि लड़कियों का 24 साल का होने से पहले ही उनकी शादी कर दो। वह शादी के बाद भी पढ़ाई कर सकती हैं।' पीसी जॉर्ज ने कहा,'क्यों ईसाई अपनी बच्चियों की शादी 25 साल में नहीं कर रहे हैं? क्यों उन्हें घर में रखा है? 25 साल की एक लड़की कल गायब हो गई। वह रात 9.30 पर गायब हो गई। 25 साल तक शादी नहीं करने पर उसके पिता को जिम्मेदार माना जाना चाहिए,

कमर्शियल वाहनों की ग्रीन कार्ड के बिना चार धाम में नो एंट्री : देहरादून आरटीओ

देहरादून (आरएनएस)। चारधाम यात्रा में आने वाले कमर्शियल वाहन चालकों को अब ग्रीन कार्ड के बिना एंट्री नहीं मिलेगी। इस बार ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था को और भी सुगम बना दिया है। देहरादून आरटीओ सुनील शर्मा ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि चारधाम यात्रा के लिए एक माह पहले ही ग्रीन कार्ड जारी किए जाएंगे। पीली प्लेट की जितनी भी गाड़ियां हैं उनके लिए ही ग्रीन कार्ड बनाना जरूरी होगा, चाहे वाहन प्रदेश का हो या दूसरे राज्य का हो। बसों के संचालन के लिए यूनियन से बातचीत कर रोटेशन सिस्टम लागू किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि ग्रीन कार्ड एक फिटनेस सर्टिफिकेट है। बिना फिटनेस के वाहन चालकों को ग्रीन कार्ड नहीं मिलेगा। छोटी गाड़ी 400 और बड़ी गाड़ी की फीस 600 रुपये है। उसकी फिटनेस के बाद उसको ऑनलाइन ही ग्रीन कार्ड जारी कर दिया जाएगा। हिंदू धर्म के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में से एक माने जाने वाले चारधाम यात्रा का हिंदूओं के दिलों में अन्य हिंदू तीर्थस्थलों की तुलना में एक अलग धार्मिक महत्व है।

तिब्बती समुदाय के सदस्य नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर 66वें तिब्बती विद्रोह दिवस के उपलक्ष्य में प्रदर्शन करते हुए.

विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की.

रावण का अहंकार भी नहीं चला है तो तेजस्वी और लालू का क्या चलेगा : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के बयान को लेकर उन पर हमला बोला है। उन्होंने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष को अहंकारी बताते हुए कहा कि वह लालू यादव के बेटे हैं और यही उनकी ख्याति है।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में मीडिया से कहा, तेजस्वी यादव अहंकार में हैं, उन्हें लगता है कि यहां 'लोकतंत्र' नहीं बल्कि 'राजतंत्र' है।

वह संघर्ष करके राजनीति में नहीं आए हैं बल्कि वह लालू यादव के बेटे हैं और यही उनकी ख्याति है। मैं उनसे यही कहूंगा कि वह अहंकार न करें, क्योंकि रावण का अहंकार भी नहीं चला है तो तेजस्वी और लालू का अहंकार क्या चलेगा।

दरअसल, भाजपा के विधायक हरिभूषण ठाकुर ने होली के दिन मुसलमानों से घरों से नहीं निकलने की अपील की थी, जिसके बाद आरजेडी ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

तेजस्वी यादव ने भाजपा विधायक के बयान पर कहा था कि इस तरह का बयान कोई कैसे दे सकता है? मुख्यमंत्री कहां हैं? महिला विधायक जमीन से जुड़े मामलों पर सवाल करती हैं तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सदन में फटकार लगाते देर नहीं करते हैं, तो क्या भाजपा विधायक के बयान पर मुख्यमंत्री उन्हें फटकार लगाएंगे? भाजपा के रंग में जदयू पूरी तरह आ चुकी है।

उन्होंने कहा कि जो लोग समाज में जहर फैला रहे हैं, उन्हें रोकने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हिम्मत दिखाएं और सदन में माफी मंगवाएं। उनके बयान पर अपनी चुप्पी तोड़ें, सिर्फ कुर्सी के जुगाड़ में ही मत रहिए।

उल्लेखनीय है कि इस बार होली का पर्व 14 मार्च को मनाया जाएगा। इस दिन जुमा है और रमजान का पवित्र महीना भी चल रहा है। इसी कारण देश में होली और जुमे को लेकर जमकर सियासत हो रही है।

दादूपुर नलवी को लेकर विपक्ष कर रहा गुमराह - सीएम नायब सैनी

चंडीगढ़ ,(आरएनएस) । हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन सदन में कांग्रेस विधायकों ने प्रदेश के तमाम मुद्दों को लेकर जोरदार हंगामा किया। इसमें एक मुद्दा दादूपुर नलवी को लेकर भी था। जिस पर विपक्ष ने सरकार से जवाब मांगा। दादूपुर नलवी मामले को लेकर विपक्ष के आरोपों पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मीडिया से बात की।

मगधीरा, ईगा, बाहुबली फ्रैंचाइज और आरआरआर की ऐतिहासिक सफलता के बाद, लोकप्रिय फिल्म निर्देशक एसएस राजामौली अपनी अगली फिल्म को निर्देशित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो महेश बाबू द्वारा निर्देशित अभी तक बिना शीर्षक वाली जंगल एडवेंचर है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिका में हैं और पृथ्वीराज सुकुमारन खलनायक की भूमिका में हैं। शूटिंग अभी चल रही है और इस बीच खबर आई है कि एसएस राजामौली भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्म बनाने

शाल्मली खोलगड़े ने अपना नया रोमांटिक सिंगल आवारा बनाने के पीछे की प्रक्रिया साझा की

परेशान, बलम पिचकारी, लत लग गई जैसे गानों के लिए मशहूर गायिका-गीतकार शालमली खोलगड़े ने अपना नया हिंदी ट्रैक आवारा रिलीज़ किया। यह रोमांटिक सिंगल प्यार की कच्ची और परिवर्तनकारी शक्ति को खूबसूरती से दर्शाता है।

शाल्मली ने गीत के निर्माण की प्रक्रिया का विश्लेषण किया तथा बताया कि इसे किस प्रकार जीवंत बनाया गया। गाने के बारे में बात करते हुए, शाल्मली ने कहा, आवारा पहले एक मराठी गाना था जिसका नाम हा वारा था, जिसे मैंने 2020 में जून नामक एक मराठी फिल्म के लिए तैयार किया था। मुझे तब पता था कि किसी समय मुझे इसे हिंदी में लिखना होगा। जब राजन बत्रा ने गीत लिखने के लिए कदम रखा, तो ऐसा लगा जैसे स्वर्ग में बनी जोड़ी हो। राजन की मीटर, धुन और गीत के अर्थ की समझ, रचना की मांग के अनुसार सटीक भावना को सामने लाती है।

उन्होंने आगे बताया, वह अपने शब्दों के साथ निपुण हैं। इसके साथ ही मराठी फिल्म जून में अभिनय करने वाले सिद्धार्थ मेनन ने भी संगीत वीडियो में काम करने का फैसला किया, जिससे मुझे लगा कि मैं इस गीत को प्रस्तुत करने का इससे बेहतर तरीका नहीं खोज सकती थी। इस गीत पर जिन लोगों के साथ मैंने काम किया है, उनके साथ मुझे कुछ खूबसूरत दोस्ती और सौहार्द का अनुभव हुआ है।

राजन बत्रा के बोल इस ट्रैक में भावनात्मक गहराई जोड़ते हैं और इसकी धुन गीत के खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रहती है। आवारा श्रोताओं को एक ऐसी दुनिया में ले जाता है जहाँ प्यार साधारण पलों को असाधारण बना देता है। हाल ही में, शाल्मली ने काला घोड़ा कला महोत्सव में मुख्य कार्यक्रम में भाग लिया,

कन्नप्पा से काजल अग्रवाल की पहली झलक आई सामने, माता पार्वती के रूप में दिखीं अभिनेत्री

काजल अग्रवाल की अपकमिंग तेलुगू पौराणिक ड्रामा 'कन्नप्पा' से उनका फर्स्ट लुक पोस्टर आउट हो चुका है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्टर को शेयर करते हुए उसे अपना ड्रीम रोल बताया। पोस्टर में काजल मां पार्वती के किरदार में नजर आईं।

'कनप्पा' के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर फिल्म से उनका पहला लुक जारी किया और अभिनेत्री ने भी अपने प्रशंसकों को इस लुक से रूबरू कराया। पोस्टर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए काजल अग्रवाल ने लिखा, वाकई एक ड्रीम रोल! 2025 की शुरुआत करने की खुशी है कन्नप्पा, हर हर महादेव। माता पार्वती। काजल अग्रवाल की पोस्ट पर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने कमेंट करते हुए

ट्रेडिशनल लुक में कहर बरपाती दिखीं प्रज्ञा जैसवाल, एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर लगाया हॉटनेस का तड़का

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपने परफेक्ट फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर अपलोड कर के इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है। इन तस्वीरों में उनकी शोख अदाएं देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं करते नहीं थक रहे हैं।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट एथनिक लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

हाल ही में प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा

जैसवाल ने बेहद ही खूबसूरत ब्लू कलर का लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

बालों का बन बनाकर, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनकी ये कातिल अदाएं देख लोगों की नजरें नहीं हट रही है।

बता दें कि एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

छावा ने 23वें दिन लगाई बड़ी छलांग, बनी 2025 में 500 करोड़ी करने वाली पहली फिल्म बनी

विक्की कौशल की फिल्म छावा पिछले काफी समय से चर्चा में है। यह फिल्म रिलीज के पहले ही दिन ये कमाल कर रही है और अब इसने 23वें दिन भी टिकट खिड़की पर कमाल किर दिया है। छावा की कमाई भारत में 500 करोड़ रुपये के बार हो चुकी है और इस जादुई आंकड़ा छूने वाली ये इस साल की पहली फिल्म बन गई है। आइए जानते हैं फिल्म अब तक देश में कुल कितनी कमाई कर चुकी है। सैकनिल्क के मुताबिक, 8.75 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ चौथे हफ्ते की शुरुआत करने के बाद छावा ने चौथे शनिवार को जबरदस्त कारोबार किया है। फिल्म ने 16.5 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इसी के साथ भारत में फिल्म की कुल कमाई 508.8 करोड़ हो गई है। छावा 500 करोड़ी क्लब में शामिल होने वाली 2025 की पहली फिल्म बन गई है। फिल्म ने 22वें दिन 8.75 करोड़ रुपये कमाए थे। 23वें दिन इसकी कमाई में जबरदस्त उछाल आया। फिल्म को मिल रही इस जबरदस्त प्रतिक्रिया पर विक्की ने सोशल मीडिया पर लिखा, आपके अपार प्यार के लिए धन्यवाद। फिल्म को महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा समर्थन मिला है, जहां इसने पुष्पा 2 जैसी फिल्मों के बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। छावा अब विक्की की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इससे पहले तक उनके करियर की सबसे कमाऊ फिल्म 244.14 करोड़ रुपये की कमाई के साथ उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक थी। साल 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म छावा बनी हुई है। माना जा रहा है कि इसे टक्कर देने का काम सलमान खान की सिकंदर ही कर पाएगी, जो ईद के मौके पर रिलीज होने वाली है। विक्की ने फिल्म में महान छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभाया है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना, अक्षया खन्ना, आशुतोष राणा, विनीत कुमार, दिव्या दत्ता और डायना पेंटी जैसे कलाकार भी नजर आए हैं। रीमा कागती के निर्देशन में बनी सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव भी स्टार पावर से दूर एक ऐसी फिल्म है, जिसकी कहानी, कलाकारों की एक्टिंग दिल को छू जाती है। असल जिदंगी की घटनाओं पर बनी एक छोटे शहर के लड़कों की इस फिल्म को अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में खूब तारीफ

सिनेमा का जादूगर, आमिर खान का 60वें बर्थडे से पहले फैंस को बड़ा तोहफा, थिएटर्स में लगेगा फिल्मों का मेला

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान आगामी 14 मार्च को 60 वां जन्मदिन मनाने जा रहे हैं. ऐसे में आमिर खान ने अपने जन्मदिन को फैंस संग मनाने के लिए खास इंतजाम किया है. पीवीआर आईनॉक्स ने आमिर खान के 60वें जन्मदिन के खास मौके पर आमिर खान- सिनेमा का जादूगर नाम से एक स्पेशल फिल्म फेस्टिवल का एलान किया है. आमिर खान, जो अपनी दमदार परफॉर्मेंस और अलग तरह की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने भारतीय सिनेमा को एक नई ऊंचाई दी है. उनकी फिल्मों ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाया है, बल्कि समाज को भी गहराई से प्रभावित भी किया है. इसी योगदान को सेलिब्रेट करने के लिए ये खास फेस्टिवल रखा गया है, जिसमें उनके बेहतरीन सिनेमाई सफर को बड़े पर्दे पर फिर से देखने का मौका मिलेगा.

आमिर खान का करियर उनकी दमदार स्क्रिप्ट चुनने की आदत, रिकॉर्ड तोड़ फिल्मों और ऐसी कहानियों के लिए जाना जाता है, जो सीधे लोगों के दिलों तक पहुंचती हैं. कयामत से कयामत तक से रोमांस का नया दौर लाने से लेकर लगान, तारे जमीन पर, 3 इडियट्स और दंगल जैसी फिल्मों से सिनेमा की सोच बदलने तक, आमिर ने अपनी फिल्मों से इंडस्ट्री पर गहरी छाप छोड़ी है.

अजय बिजली, मैनेजिंग डायरेक्टर, पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड, ने आमिर खान की तारीफ करते हुए कहा, आमिर खान सिर्फ एक एक्टर ही नहीं, बल्कि इंडियन सिनेमा के सबसे बड़े ट्रेंडसेटर में से एक हैं, उन्होंने हमेशा हटके और दमदार कहानियां चुनी हैं, जो सिर्फ एंटरटेनमेंट नहीं देतीं, बल्कि सोचने पर भी मजबूर करती हैं, 3 इडियट्स जैसी फिल्म ने हमें सिखाया कि सक्सेस के पीछे भागने से ज्यादा जरूरी है एक्सीलेंस हासिल करना और यही आमिर की खासियत है, उनकी फिल्में लोगों के दिलों तक पहुंचती हैं और बॉक्स ऑफिस पर झंडे भी गाड़ती हैं. बता दें, बॉलीवुड के पहले 100 करोड़ क्लब से लेकर 200 करोड़ और फिर 300 करोड़ तक, आमिर खान ने हर बार नया रिकॉर्ड बनाया है. एक्टर ने साबित कर दिया कि अच्छी कहानियां और तगड़ी कमाई दोनों साथ-साथ मुमकिन हैं. आमिर खान- सिनेमा का जादूगर फेस्टिवल पूरे देश में पीवीआर आईनॉक्स के थिएटर्स में होगा, जहां फैन्स को आमिर खान की जबरदस्त फिल्में फिर से बड़े पर्दे पर देखने का मौका मिलेंगी. आमिरा खान के प्रोडक्शन हाउस इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैंस संग यह गुडन्यूज साझा की गई है. आमिर खान की फिल्मों का यह फिल्म फेस्टिवल आगामी 14 मार्च से 27 मार्च तक चलेगा.

भारत के एडिसन जीडी नायडू की बायोपिक की घोषणा, माधवन निभाएंगे मुख्य भूमिका

निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार 'भारत के एडिसन' के नाम से मशहूर वैज्ञानिक जीडी नायडू की बायोपिक बनाएंगे। निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल जारी कर दिया है। टाइटल 'जी.डी.एन' रखा गया है, जिसमें अभिनेता आर. माधवन मुख्य भूमिका में दिखेंगे।

वैज्ञानिक पर आधारित बायोपिक का भारत में शेड्यूल मंगलवार से शुरू हो चुका है, जिसमें आर माधवन के साथ अभिनेता प्रियामणि, जयराम और योगी बाबू भी शामिल होंगे। फिल्म में संगीत गोविंद वसंता ने दिया है।

अभिनेता माधवन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए एक पोस्टर शेयर किया। उन्होंने लिखा, आप सभी के आशीर्वाद और शुभकामनाओं की जरूरत है।

जानकारी के अनुसार, फिल्म की पूरी शूटिंग कोयंबटूर में की जाएगी,

शॉपिंग के दौरान इन चीजों का रखें ध्यान, वरना बिगाड़ सकता है आपका बजट

शॉपिंग का शौक हर किसी को होता है, ऐसे में कई बार हम बाजार या दुकान से आंख मूंदकर ढेर सारा सामान घर ले आते हैं लेकिन उसका इस्तेमाल कम होता है. साथ ही यह हमारा बजट भी बिगाड़ देता है. लेकिन कम पैसों में और सही तरीके से शॉपिंग कैसे की जाए, यह हर किसी को जानना बहुत जरूरी है. आइए हम आपको इस लेख में बताते हैं कि शॉपिंग करते समय आपको किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए.

खरीदारी में जल्दबाजी न करें

हम यादातर खरीदारी आखिरी समय में करते हैं, जिससे हमें कुछ ज़रूरी चीज़ों पर छूट मिल जाती है और कुछ बेकार की चीज़ें घर पर आ जाती हैं, जिससे समय और पैसे दोनों बर्बाद होते हैं. इसलिए शॉपिंग करने से पहले ही लिस्ट बना लें और उसके बाद ही खरीदारी करें.

शॉपिंग करने से पहले चेक करें अलमारी

जब भी आप खरीदारी के लिए बाहर जाएं तो आप सिर्फ वही चीजें खरीदें जिनकी आपको जरूरत है. अगर आप दुपट्टा खरीदने जा रही हैं तो एक बार अपनी अलमारी जरूर चेक कर लें. एक जैसे रंग-बिरंगे और मिलते-जुलते दुपट्टे न खरीदें.

कपड़ों की सही पहचान करें

कपड़ों की खरीदारी करते समय मौसम की पसंद आदि का ध्यान रखें ताकि आप भ्रमित न हों और सही कपड़ों की पहचान भी कर सकें. सूती कपड़ों का रंग धोने के बाद बदल सकता है, इसलिए उन्हें खरीदने से पहले दुकानदार से पूछ लें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनका रंग फीका न पड़े. ये शॉपिंग टिप्स आपको कम समय में बेहतर चीज खरीदने में मदद कर सकते हैं. इसके अलावा दुकानदार से पक्का बिल लेना बिल्कुल ना भूलें.

टाई बांधने में होती हैं दिक्कत, तो अपनाएं ये आसान टिप्स

इन दिनों फॉर्मल कपड़ों का दौर काफी ज्यादा चल रहा है. जिसमें टाई इन्हीं कपड़ों का हिस्सा है. वो टाई जो होती तो छोटी सी है लेकिन पूरे लुक को बिलकुल बदल कर रख देती है. आज भी ज्यादातर लोग इसकी नॉट बनाना नहीं जानते हैं. वो या तो किसी से बंधवा कर टाई पहले से तैयार करवा लेते हैं या फिर हर रोज किसी के सामने खड़े होते हैं कि 'जरा टाई की नॉट बांध दो' काफी ज्यादा अजीब लगता है.

फॉलों करें ये आसान टिप्स

टाई बांधने के लिए आपको सबसे पहले टाई के चौड़े हिस्से को दाईं ओर करना होगा और पतले हिस्से को बाईं ओर करना होगा. जरुरी नहीं है कि आप यही पोजीशन बनाए, अगर आप बांए हाथ से ज्यादा काम करते हैं तो ये पोजीशन बदल भी सकते है.

चौड़े हिस्से को पतले हिस्से की ओर ले आइए. अब इसमें तीन हिस्से बन जाएंगे, बायां, दायां और बीच का चौड़े हिस्से को पतले हिस्से की ओर लाते हुए इसे कॉलर के करीब रखिए, लेकिन ध्यान रहे कि टाई ट्विस्ट बिल्कुल ना हो.

चौड़े हिस्से के नीचे वाले भाग को पतले हिस्से के नीचे वाले भाग की ओर लाएं. टाई की पोजीशन बिगड़नी नहीं चाहिए और न ही ये ट्विस्ट हो इस बात का ध्यान रखें.

अब पिछले दो स्टेप को दोहराएं. पहले चौड़े हिस्से को ऊपर और फिर पतले हिस्से के नीचे लाएं. आप चौड़े हिस्से के निचले भाग को पतले हिस्से के निचले भाग पर लपेट दें. ऐसे दो बार करें.

चौड़े हिस्से को नॉट के नीचे से बीच में लाएं. इसे अपनी गर्दन और नॉट में बने गैप के बीच से बाहर निकालें. इसको बाहर लाते हुए पतले वाले हिस्से को भी पकड़ कर रखें, ताकि नॉट टाइट रहे ढीली न हो.

अब चौड़े हिस्से को सामने के लूप से नीचे लाएं. इसे टाई के सबसे ऊपर वाले क्रॉस के ठीक नीचे रखें. इससे सही जगह पहचानने और टक करने में आसानी होगी.

एक हाथ का इस्तेमाल करके पतले हिस्से को नीचे लाएं. दूसरे हिस्से से नॉट को ऊपर ले जाएं. ये कॉलर के बीच में आ जाएगी. टाई को तब तक खींचें, जब तक ये कॉलर के ऊपर टाइट न हो जाए. अब टाई बंध गई है लेकिन ध्यान रहें कि टाई ऐसी जगह पर बांधें कि सबसे ऊपर वाला बटन नजर ही न आए. अब कॉलर को नीचे कर लें.

शब्द सामर्थ्य -351

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

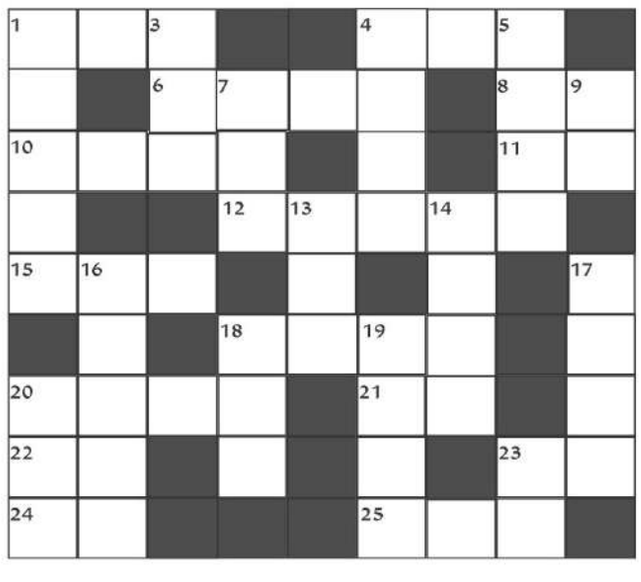

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 350 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना माढोताल में सुबह भ्रमण के दौरान आरटीओ आफ्सि के पास शनि टी स्टाल के बाजू से 2 लड़के अंधेरे में बैठे हुये दिखे, संदेह होने पर दोनों से नाम पता पूछने पर अपने नाम आकाश बर्मन उम्र 24 वर्ष निवासी शांतिनगर राजीवगांधी वार्ड माढ़ोताल एवं शुभम बर्मन उम्र 23 वर्ष निवासी शाहीनाका रेल्वे ब्रिज के बाजू से तिलवारा बताये, तलाशी लेने पर आकाश बर्मन एक पिस्टल तथा जेब मे एक कारतूस रखे मिला जिसके सम्बंध में पूछने पर उक्त पिस्टल शुभम बर्मन द्वारा देना बताया, शुभम बर्मन से पूछने पर पिस्टल आकाश बर्मन की होना बताया।

पुलिस का सख्त पहरा होगा और हर आने व जाने वाले वाहनों की चेकिंग शहर प्रवेश सीमाओं पर रहेगा पुलिस का पहरा

हुड़दंगियों पर नजर, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। होली पर्व के दौरान हुड़दंग करने वालों व नशे की हालत में वाहन चलाने वालों से सख्ती से निपटने लिए जिले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर जिले भर में 80 से अधिक चेक पॉइंट्स बनाए गए हैं। वही संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पार्टी लगातार गश्त करेगी। वहीं शहर प्रवेश सीमाओं पर भीपुलिस का सख्त पहरा होगा और हर आने व जाने वाले वाहनों की चेकिंगकी जाएगी। सूत्रों के अनुसार पर्व के दौरान बुधवार की रात से लेकर शनिवार 15 मार्च तक शहर में करीब 50 चेकिंग पॉइंट्स पर 100 पेट्रोलिंग पार्टियां व चीता 40 एफआरवी लगातार अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण करेंगी। इसी तरह देहात क्षेत्र में भी 30 से अधिक चेकिंग पॉइंट्स लगाए गए हैं। इसके अलावा आधा सैकड़ा से अधिक पेट्रोलिंग व चीता मोबाइल व 20 एफआरवी तैनात रहेंगी। इसके अलावा जिला पुलिस बल के साथ सशस्त्र बल, अश्वारोही दल, होमगार्ड व ग्राम रक्षा समिति के सदस्य भी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहेंगे। वहीं विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा फ्लैग मार्च निकालकर भी लोगों को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया गया। इस दौरान देर रात तक पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेकर किसी भी तरह की घटना होने पर तत्काल थानों में जानकारी देने के लिए भी कहा।

जबलपुर में शराबियों व उपद्रवियों पर होगी कार्यवाही-आईजी

जबलपुर में आईजी अनिल सिंह कुशवाह ने पुलिसकर्मियों की बैठक लेकर अलर्ट रहने के लिए निर्देशित किया. शहर के गोहलपुर, हनुमानताल, आधारताल ऐसे इलाके हैं जो कि संवेदनशील है. जिसके चलते गुरुवार से ही पुलिस बल तैनात कर दिया जाएगा. पुलिस ने होली के जुलूस और जुमे की नमाज के समय को मैनेज करने की भी खास रणनीति बनाई है. कई जगहों पर होली में निकलने वाले जुलूस का रूट भी पुलिस ने बदला है. पूरे समय आईजी अपनी नजर बनाए रखेंगे. अवैध शराब नहीं बिकने दी जाएगी. उपद्रव करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए.

पश्चिम मध्य रेलवे से गुजरेगी होली स्पेशल ट्रेनें

जबलपुर। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा होली के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर होली स?पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है-

1) एलटीटी-गोरखपुर-एलटीटी स्पेशल

05326 एलटीटी से गोरखपुर स्पेशल ट्रेन आगामी दिनांक 24.03.2025 तक प्रत्येक गुरुवार और सोमवार को एलटीटी से 10.20 बजे रवाना होगी और अगले दिन 20.00 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। 05325 गोरखपुर से एलटीटी स्पेशल ट्रेन आगामी दिनांक 22.03.2025 तक प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को 19.00 बजे गोरखपुर से रवाना होगी और तीसरे दिन 06.50 बजे एलटीटी पहुंचेगी। ठहराव- ठाणे, कल?याण, इगतपुरी, नासिक रोड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, रानी कमलापति-भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई-झांसी, उरई, गोविंदपुरी, प्रयागराज, अयोध्या, मनकापुर और खलीलाबाद। संरचना- 4 वातानुकूलित-3 टियर, 8 शयनयान श्रेणी, 4 सामान?य द्वितीय श्रेणी और 2 लगेज सह गार्ड ब्रेक वैन।

2) बांद्रा टर्मिनस-सूबेदारगंज-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 04126 बांद्रा टर्मिनस-सूबेदारगंज स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को दिनाँक आगामी 1 अप्रैल 2025 तक बांद्रा टर्मिनस से 11.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17.00 बजे सूबेदारगंज पहुँचेगी।

ट्रेन संख्या 04125 सूबेदारगंज-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक सोमवार को आगामी 31 मार्च 2025 तक सूबेदारगंज से 05.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09.30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। ठहराव- बोरीवली, वापी, वलसाड, उधना, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, रूपबास, फतेहपुर सीकरी, आगरा फोर्ट, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी और फतेहपुर। संरचना- एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच। 3) बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट (साप्ताहिक) स?पेशल ट्रेन संख्या 02200 बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी सुपरफास्ट स्पेशल एक्सप्रेस दिनाँक 15 से 29 मार्च, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को बांद्रा टर्मिनस से 05.10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.00 बजे वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी पहुंचेगी।

जोगी जी

0
सदाचार का डालिए,
चौक रंगीला द्वार।
सद्भावों की फाग गा,
मेटें सब तकरार।।
जोगी जी सा रा रा रा
0
बाधाओं की लकड़ियाँ,
दें होरी में बार।
पीर गुलेरी सब जलें,
बचे न एकऊ खार।।
जोगी जी सारा रा रा
0
राजनीति की होलिका,
करे नहीं तकरार।
नेता-अफसर कर सकें,
लोकनीति से प्यार।।
जोगी जी सारा रा रा
0
भुज भरकर मिलिए गले,
बढ़े खूब अपनत्व।
संसद से दूरी मिटे,
बढ़े खूब बंधुत्व।।
जोगी जी सा रा रा रा
0
सुख पिचकारी दें भिगा,
रंग हर्ष का, डाल।
मस्तक पर शोभित रहे,
यश का लाल गुलाल।।
जोगी जी सा रा रा रा
0
हिंदी मैदा माढ़िए,
उर्दू मोयन डाल।
देशज मेवाएँ भरें,
गुझिया बने कमाल।।
जोगी जी सा रा रा रा
0
परंपरा बेसन बने,
नवाचार हो तेल।
खांय-खिलाएँ पपड़ियाँ,
जी भर होली खेल।।
जोगी जी सा रा रा रा
0
कविता पिचकारी बना,
भरें छंद का रंग।
रस-लय की ठण्डाई पी,
करें गीत गा जंग।।
जोगी जी सा रा रा रा
0
फाग कबीरा गाइए, भर मस्ती में झूम।
ढोल-मँजीरा बजाएँ, खूब मचाएँ धूम।।
जोगी जी सा रा रा रा

संजीव वर्मा (सलिल)

मासूम बच्चों संग मनाया रंगोत्सव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रंगों के महापर्व होली पर कमला नेहरू वार्ड स्थित आदिवासी बहुल बस्ती भूलन के छोटे छोटे मासूम बच्चों के साथ होली मनाकर रंगोत्सव को खुशनुमा बनाया गया । इस अवसर पर संस्कार निर्माण परिषद के अध्यक्ष डॉ.एच. पी. तिवारी ने कहा कि ये अबोध बच्चे कच्ची मिट्टी के समान हैं जिन्हें कोई भी आकार दिया जा सकता है। भारत के भविष्य इन मासूम बच्चों को सनातनी परम्पराओं से जोड़ना आज की महती आवश्यकता है। तभी आदर्श समाज और सुसमृद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव हो सकेगा।

संभाग क्रमांक 5 संजय गांधी मार्केट राजस्व टीम ने की कुर्की की कार्रवाई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर निगम द्वारा निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के निर्देशानुसार राजस्व वसूली अभियान को लेकर करदाताओं के विरूद्ध सख्ती की जा रही है। बड़े बकायादारों के विरूद्ध बकाया करों की राशि जमा कराने सम्पत्ति कुर्क करने की ताबड़तोड़ कार्रवाई भी लगातार कर बकायादारों के नाम सार्वजनिक करने की कार्रवाई भी की जा रही है। इसी श्रृंखला में आज संभाग क्रमांक 5 संजय गांधी मार्केट टीम के द्वारा बड़े बकायादारों के विरूद्ध कुर्की की कार्रवाई की गयी। इसके अलावा टीम द्वारा 1 करदाता से बकाया करों की राशि के रूप में 1 लाख 88 हजार रूपये का चेक प्राप्त किया।

अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह ने बताया कि टीम के सदस्यों ने लगातार बकायादारों से सम्पर्क किया जा रहा है तथा बकाया राशि जमा करने एवं कुर्की की कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा टीम द्वारा 1 करदाता से बकाया करों की राशि के रूप में 1 लाख 88 हजार रूपये का चेक प्राप्त किया। इस अवसर पर संभागीय अधिकारी श्रीमती चेतना चौधरी के अलावा राजस्व निरीक्षक, करसंग्रहिता आदि उपस्थित रहे।

जबलपुर में 7 एकड़ भूमि पर बनेगा ऑक्सीजन पार्क, कलेक्टर-निगमायुक्त ने किया स्थल निरीक्षण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर स्थित भैंसासुर रोड पर खाली पड़ी सात एकड़ जमीन पर नया आक्सीजन पार्क बनेगा. उक्त स्थल का कलेक्टर दीपक सक्सेना, नगर निगम आयुक्त प्रीति यादव ने सेना के अधिकारियों के साथ प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया.

केन्ट विधायक अशोक रोहाणी ने सेना से करीब सात एकड़ जमीन पर आक्सीजन पार्क बनाने का प्रस्ताव रखा है. इस परियोना में शासन-प्रशासन व नगर निगम के अधिकारियों का सहयोग लिया जाएगा. इसके लिए प्रशासनिक अधिकारियों ने सेना के अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण किया. उक्त भूमि चौथापुल से भैंसासुर बाबा मंदिर रोड पर उक्त जमीन पर पहले एक तालाब रहा.

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 68वीं बैठक

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर की 68वीं बैठक दिनांक 13.03.2025 को समिति अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर राजभाषा विभाग, पश्चिम मध्य रेलवे, मुख्यालय, जबलपुर की त्रैमासिक राजभाषा पत्रिका %राजभाषा सरिता% के 52वें अंक का भी विमोचन किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्रीमती बंदोपाध्याय ने कहा कि हिंदी का प्रयोग-प्रसार एक सामूहिक प्रयास है इसलिए हम सभी को सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ाने की दिशा में ईमानदारी से प्रयास करना होगा। उन्होंने पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रेलवे बोर्ड एवं गृह मंत्रालय की विभिन्न पुरस्कार योजनाओं में पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई दी, साथ ही सभी विभाग प्रमुख एवं समिति सदस्यों को गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के भी निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री मनोज कुमार गुप्ता ने राजभाषा विभाग द्वारा किये गए उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्यो की जानकारी दी। बैठक में समिति सदस्य एवं विभाग प्रमुख व उनके प्रतिनिधि अधिकारीगण स्वयं तथा मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक व कारखानों के मुख्य कारखाना प्रबंधक ऑन लाइन उपस्थित थे।

2 युवक आर्म्स सहित पकड़े गये, 1 पिस्टल एवं 1 कारतूस जप्त

जबलपुर- थाना माढोताल में सुबह भ्रमण के दौरान आरटीओ आफ्सि के पास शनि टी स्टाल के बाजू से 2 लड़के अंधेरे में बैठे हुये दिखे, संदेह होने पर दोनों से नाम पता पूछने पर अपने नाम आकाश बर्मन उम्र 24 वर्ष निवासी शांतिनगर राजीवगांधी वार्ड माढ़ोताल एवं शुभम बर्मन उम्र 23 वर्ष निवासी शाहीनाका रेल्वे ब्रिज के बाजू से

लोनिवि मंत्री राकेश सिंह के प्रयास से जबलपुर को मिली एक और फ्लाई ओवर की सौगात

संजीवनी नगर से जीरो डिग्री एकता चौक तक 180 करोड़ की लागत से बनेगा 1.2 किमी लंबा आरओबी सह फ्लाई ओवर ब्रिज

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और विकास के इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के प्रयास से जबलपुर को एक और फ्लाई ओवर की सौगात मिलने जा रही है। यह आरओबी सह फ्लाई ओवर ब्रिज संजीवनी नगर से जीरो डिग्री एकता चौक 41 नंबर स्कीम तक लगभग 180 करोड़ की लागत से 1.2 किमी लंबा बनेगाद्य इसे प्रदेश सरकार के मुख्य बजट 2025- 26 में शामिल किया गया है, यह जानकारी लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने दी है। उल्लेखनीय है कि विकास की दृष्टि से जबलपुर को एक के बाद एक सौगातें मिल रही और लंबे समय से जीरो डिग्री विजय नगर से रेल लाइन के उस पार संजीवनी नगर तक फ्लाई ओवर बनाने की मांग थी जिस पर लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने संज्ञान लेते हुए इसे बजट में शामिल कराया है। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने बताया जबलपुर के यातायात को व्यवस्थित और सुचारू करने के लिए यहां एक, दो नही बल्कि फ्लाई ओवर की श्रृंखला की आवश्यकता है और उसी को दृष्टिगत रखते हुए जहां जबलपुर में प्रदेश का सबसे बड़ा दमोहनाका से मदनमहल तक बनने वाला फ्लाई ओवर पूर्णता की ओर है वही शहर के यातायात को सुगम बनाने की दृष्टि से आदर्शनगर साईं मंदिर से बंदरिया तिराहा से अनगढ़ महावीर मंदिर एवं हवाबाग कालेज तक, होटल ऋषि रीजेंसी से हाई कोर्ट चौक, घमापुर चौक, भानतलैया से रद्दी चौकी कैप्टन हमीद चौक तक का फलाई ओवर सीआरएफ के अंतर्गत प्रस्तावित है। सगड़ा बायपासस पर आर ओ बी सह फ्लाई ओवर ही एम्पायर तिराहे से पेंटीनाका होकर वाय.एम.सी.ए. ग्राउंड तक बनने वाले फ्लाई ओवर का निर्माण प्रारंभ हो गया है और अब एक नए संजीवनी नगर से ज़ीरो डिग्री तक बनने वाले फ्लाई ओवर ब्रिज की स्वीकृति मिली है। श्री सिंह ने बताया कि रेल लाइन के दोनो ओर घनी रिहायशी आबादी वाला क्षेत्र है परंतु आवागमन हेतु वर्तमान में सीधा मार्ग नही है, इस आरओबी सह फ्लाई ओवर बनने के बाद अब पश्चिम और उत्तर विधानसभा आपस में जुड़ जायेगी इस फ्लाई ओवर के बनने के बाद दर्जनों कॉलोनी वासियों को राहत मिलेगी और भेड़ाघाट, मेडिकल अस्पताल, धनवंतरी नगर, संजीवनी नगर, गढ़ा के अंतर्गत आने वाली कई कॉलोनीयों के लिए विजय नगर क्षेत्र, दीनदयाल चौक, आईएसबीटी, कृषि उपज मंडी, कटंगी मार्ग, पाटन मार्ग जाने हेतु सीधा मार्ग उपलब्ध होगा जिससे जबलपुर की दर्जनों कालोनी वासियों के साथ साथ आसपास के क्षेत्र से जबलपुर आने वालो को भी आवागमन में सुविधा होगी

स्पाइन सर्जरी से राहत पाएं-डॉ. मोहम्मद फैजान, स्पाइन सर्जन, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर

जबलपुर - डॉ. मोहम्मद फैजान, स्पाइन सर्जन, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर ने बताया कि, स्पाइन सर्जरी एक स्वस्थ और सक्रिय जीवन जीने का दूसरा मौका देती है, जिससे पीठ और गर्दन के दर्द से राहत मिलती है। विभिन्न प्रकार की स्पाइन सर्जरी अलग-अलग आवश्यकताओं को पूरा करती हैं, जैसे कि फ्यूज़न, डिस्केक्टोमी, लैमिनेक्टोमी और फॉरैमिनोटॉमी। एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी एक मिनिमली इनवेसिव विकल्प है, जिसमें छोटे चीरों और कैमरों का उपयोग करके हर्निएटेड डिस्क और स्पाइनल स्टेनोसिस जैसी समस्याओं का इलाज किया जाता है। उन्होंने आगे बताया की, विशेषज्ञ स्पाइन सर्जन उन्नत तकनीकों और प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हैं, जिससे व्यक्तिगत देखभाल और बेहतर परिणाम सुनिश्चित होते हैं। जब पारंपरिक उपचार पर्याप्त राहत प्रदान करने में असफल होते हैं, तब स्पाइन सर्जरी पर विचार किया जा सकता है। यदि लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं या बिगड़ते हैं और दैनिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं, तो सर्जिकल हस्तक्षेप की आवश्यकता हो सकती है। हर्निएटेड डिस्क, डिजेनरेटिव डिस्क डिजीज, स्कोलियोसिस, स्पॉन्डिलोलिस्टेसीस, स्पाइनल स्टेनोसिस, सियाटिका, स्पाइनल फ्रैक्चर, स्पाइनल इन्फेक्शन, स्पाइनल ट्यूमर, पुराना पीठ या गर्दन का दर्द, नसें दब जाना, स्पाइनल डिफॉर्मिटीज जैसी विभिन्न स्थितियों का इलाज करने के लिए स्पाइन सर्जरी की जाती है डॉ. मोहम्मद फैजान, स्पाइन सर्जन, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर ने बताया कि, स्पाइन सर्जरी का उद्देश्य दर्द और नसों पर दबाव से राहत देना, रीढ़ की हड्डी को स्थिर करना, गतिशीलता और कार्यक्षमता में सुधार करना, विकृतियों को ठीक करना,

अधिवक्ताओं की निशुल्क लिपिड प्रोफ़ाइल जांच हुई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। ब्रह्मलीन श्री आदर्श मुनि त्रिवेदी जी की स्मृति में नि:शुल्क जाँच शिविर का आयोजन आदर्श सभागार हाई कोर्ट बार एसोसिएशन में दोपहर 12. बजे से हुआ शिविर में थायरायड, यूरिक एसिड ,कोलेस्ट्राल, प्रोटीन, हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर आदि की हुई जिसका लाभ बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने उठाया इस कार्यक्रम का आयोजन = म प्र जूनियर लॉयर्स एसोसिएशन ,म प्र प्रगतिशील ब्राह्मण महासभा, हितकारिणी विज्ञान कला एवं वाणिज महाविद्यालय देवताल गढ़ा, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। शिविर में प्रशांत अवस्थी, आशीष त्रिवेदी, रत्नेश मिश्रा, सिद्धार्थ शुक्ल प्राचार्य डॉ नीलेश पाण्डेय, हितकारिणी महाविद्यालय श्री दिनेश सिंह ठाकुर आनंद शुक्ला अपूर्व त्रिवेदी नीलम गोयल के के पांडे शुभम मिश्रा आशीष तिवारी संदेश त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे। शिविर में अधिवक्ताओं ने बढ़चढ़ कर अपनी जांच करवाई अधिवक्ताओं ने शिविर को अच्छी पहल बताया. भविष्य में भी इस तरह के जांच शिविर का आयोजन होता रहें आयोजकों ने आशा व्यक्त की मेडिकल टीम में श्रीमती आरती पटेल का विशेष योगदान रहा.

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना माढोताल में सुबह भ्रमण के दौरान आरटीओ आफिस के पास शनि टी स्टाल के बाजू से 2 लड़के अंधेरे में बैठे हुये दिखे, संदेह होने पर दोनों से नाम पता पूछने पर अपने नाम आकाश बर्मन उम्र 24 वर्ष निवासी शांतिनगर राजीवगांधी वार्ड माढ़ोताल एवं शुभम बर्मन उम्र 23 वर्ष निवासी शाहीनाका रेल्वे ब्रिज के बाजू से तिलवारा बताये, तलाशी लेने पर आकाश बर्मन एक पिस्टल तथा जेब मे एक कारतूस रखे मिला जिसके सम्बंध में पूछने पर उक्त पिस्टल शुभम बर्मन द्वारा देना बताया, शुभम बर्मन से पूछने पर पिस्टल आकाश बर्मन की होना बताया।

कांग्रेस ने जलाई जनता की समस्याओं की होलिका

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। आज होलिका दहन की संध्या पर शहर कांग्रेस कमेटी जबलपुर द्वारा रसल चौक में समस्याओं की होली जलाने का आयोजन किया गया। इस प्रतीकात्मक होलिका दहन के माध्यम से कांग्रेस ने जनता की प्रमुख समस्याओं के प्रति सरकार की उदासीनता का विरोध किया। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और शहरवासियों ने एकजुट होकर बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, महिलाओं पर अत्याचार और अपराध जैसी गंभीर समस्याओं को लेकर रोष व्यक्त किया। इस अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने कहा कि सरकार जनता की परेशानियों को नजरअंदाज कर रही है। प्रदेश में महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं, बेरोजगार युवा हताश हैं, और कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि नगर निगम और जबलपुर विकास प्राधिकरण (छ्वष्ठ) की लापरवाही से आमजन त्रस्त हैं, जबकि भू-माफिया खुलेआम सक्रिय हैं।

उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा चुकी हैं, सरकारी अस्पतालों में आवश्यक सुविधाओं का घोर अभाव है, जिससे आम जनता को निजी अस्पतालों के महंगे इलाज पर निर्भर होना पड़ता है।श्रीकृष्ण से प्रार्थना है कि अन्याय, अधर्म और अनीति के इस दौर में वे हमें सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की शक्ति दें। शहर कांग्रेस कमेटी ने वूमेन एम्पावरमेंट को लेकर भी चिंता जाहिर की और सरकार से मांग की कि महिलाओं की सुरक्षा और उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं. कार्यक्रम में विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व मंत्री तरुण भनोत, पूर्व विधायक संजय यादव, कांग्रेस संसद प्रत्याशी दिनेश यादव, पार्षद संतोष पांडा, अमरीश मिश्रा, अतुल नरेश बाजपेयी, राजेश यादव, नरेंद्र पंगे, प्रवेंद्र चौहान और रितेश गुप्ता ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी नेताओं ने एकजुट होकर प्रदेश सरकार की नीतियों की आलोचना की और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

इस मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में शहरवासियों ने हिस्सा लिया और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की।

मेडिकल कालेज के डॉक्टर ने देर रात की फायरिंग, पुलिस ने लिया हिरासत में, बंदूक जब्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर स्थित रायल सिटी कालोनी चौकीताल में उस वक्त हड़कम्प मच गया. जब मेडिकल कालेज के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में पदस्थ डाक्टर आदित्य तिवारी ने बंदूक निकालकर फायरिंग शुरु कर दी. फायरिंग की आवाज सुनकर रहवासी अपने घरों से बाहर आ गए, देखा तो डाक्टर बंदूक लिए फायर कर रहा था. खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और हवाई फायर करने वाले डाक्टर को हिरासत में लेकर बंदूक जब्त कर ली.

बताया गया है कि रॉयल सिटी कालोनी चौकीताल में रहने वाले लोग अपने अपने घरों में सो रहे थे. देर रात दो बजे के लगभग अचानक फायरिंग की आवाज सुनाई दी. जिसपर लोग अपने अपने घरों से बाहर आए तो देखा तो डाक्टर आदित्य तिवारी अपना रौब कायम करने क लिए लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग कर रहे थे. डाक्टर द्वारा फायरिंग किए जाने से घबराए कालोनी के लोगों ने तत्काल पुलिस को खबर दी.

मौके पर पहुंची पुलिस ने डाक्टर आदित्य तिवारी को हिरासत में लेकर बंदूक जब्त कर ली. चर्चाओं में यह बात सामने आई कि डाक्टर शराब के नशे में धुत्त रहा, जिसके चलते उसने लाइसेंसी बंदूक से फायर किया है. पुलिस को मौके से कारतूस के तीन खाली खोखे मिले है, जिससे यह बात तो साफ हो गई कि तीन राउंड फायर किया गया है. पुलिस ने डाक्टर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु कर दी है. पुलिस का कहना है कि लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग करने के पीछे क्या उद्देश्य रहा, इस बात की जांच की जा रही है. हालांकि अभी तक यह बात सामने आई है कि डाक्टर का किसी से कोई विवाद नहीं था.

विवाद होता देख रुके किसान पर हमला, मौत

शहपुरा थाना क्षेत्र की घटना, हत्या का मामला दर्ज

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। । शहपुरा के ग्राम झोझी निवासी 55 वर्षीय किसान रमेश सिंह 9 मार्च की रात ट्रैक्टर लेकर खेत से घर लौट रहे थे। रास्ते में कुछ लोगों को विवाद करता देख वे रुके तो विवाद कर रहे लोगों ने लोहे की रॉड से उन पर हमला बोल दिया। हमले में घायल किसान को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान बुधवार को घायल की मौत होने पर हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम झोझी निवासी रमेश सिंह 9 मार्च को खेत गए थे। रात में खेत से ट्रैक्टर लेकर घर लौट रहे थे। उनके साथ उनका बेटा देवेंद्र और गांव का अमित सिंह साथ में था। वे जब गडरिया मोहल्ला पहुंचे तो सड़क पर कैलाश श्रीपाल, गन्नू श्रीपाल व प्रमोद श्रीपाल का वहां रहने वाले चौधरी परिवार के सदस्यों से विवाद होता देख उन्होंने बेटे से ट्रैक्टर रोकने के लिए कहा। ट्रैक्टर रुकते ही वे उतरे लेकिन उसकी हैडलाइट चालू थी। इस बात से आक्रोशित होकर कैलाश, गन्नू व प्रमोद गाली-गलौज करने लगे। किसान ने विरोध किया तो तीनों ने झूमाझपटी करते हुए लोहे की रॉड से हमला कर दिया।

मादक पदार्थ गांजे के कारोबार में लिप्त 3 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना अधारताल में दिनांक` विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि करोंदा वायपास शिवशक्ति ढाबा के पास एक व्यक्ति बैग टांगे रोड़ किनारे खड़ा है अपने पास मादक पदार्थ गांजा रखे बेचने की फिराक में ग्राहक का इंतजार कर रहा है सूचना पर एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुये मुखबिर के बताये स्थान करोंदा वायपास शिवशक्ति ढाबा के पास क्राईम ब्रांच एवं थाने की संयुक्त टीम द्वारा दबिश दी गई जहां मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति बैग टांगे रोड किनारे खड़ा दिखा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा जिसने नाम पता पूछने पर अपना नाम गिरीश के.वी. उम्र 50 वर्ष निवासी सरोजम मुरियाद थाना कुथुपरम्बा जिला कन्नूर केरल बताया

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-08,भानतलैया नगर निगम जबलपुर

क्रं.सं.अधि/08/भान./2024-25/.... दिनांक- 12.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती सुमन ताम्रकार, पति- कोमलचंद** ने भवन/ क्रमांक 1219 **वार्ड हनुमानताल वार्ड,** क्षेत्रफल 1600 व.फु. **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. 1219 पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-08 भानतलैया** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-08 भानतलैया नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-08,भानतलैया नगर निगम जबलपुर

क्रं.सं.अधि/08/भान./2024-25/.... दिनांक- 12.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री प्रेमशंकर, श्री रविशंकर, श्री सुशील कुमार, श्री मधुकर, श्री सचिन, विकास, उत्कर्ष, मनीष अन्य, पिता- हीरा लाल गुप्ता** ने भवन/ क्रमांक 970-974 **वार्ड हनुमानताल वार्ड,** भूतल 3124 व.फु. 1843 व.फु. स्वयं कमर्शियल, प्रथमतल 4047 व.फु. द्वितीयतल 2294 व.फु., **मृत्यु प्रमाण पत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. 970-974 पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-08 भानतलैया** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-08 भानतलैया नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/09/2024-25/एम/707/ दिनांक 13.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्री श्याम लाल कोरी, पिता- स्व. श्री बैकुण्ठ राम कोरी, 2. श्रीमती रानी कोरी, पति- श्री श्याम लाल कोरी** ने मकान नं. 377 पिन नं.1000484053 **वार्ड सिद्धबाबा वार्ड** , भूतल कच्चा 390 व.फु., **मृत्यु प्रमाण पत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. 377 बेगम चौक दफाई के मकान के पास पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 429 दिनांक 13.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **1. श्रीमती पूनम तिवारी, पति- श्री उमेश तिवारी, 2. श्रीमती अनुश्री अग्रवाल, पति- श्री निलेश तिवारी** ने मकान नं. प्लाट नं. 238 सम्पत्ति पिन नं. 1000623188 **वार्ड कमला नेहरू-19 वार्ड ,** क्षेत्रफल 3000 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/335 2024-25 दिनांक 13/03/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. 1000617744 में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री देवेन्द जैन, पिता- श्री नेमचंद जैन** के स्थान पर आवेदक 1. **श्रीमती संगीता कौर, पति- अवतार सिंह, 2. हरजस कौर सैब नां.बा. पिता- अवतार सिंह वली माँ- श्रीमती संगीता कौर, पति - अवतार सिंह** ने **मकान नं. 377/13 , वार्ड क्र.- ..... ,गुप्तेश्वर वार्ड,** द्वितीयतल 400 व.फु., **दस्तावेज- विक्रय पत्र, शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/334 2024-25 दिनांक 13/03/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. 1000505223 में पंजीकृत भवन स्वामी **श्रीमती सुधा कलिया उर्फ नीलम कतिया, पति- लखन लाल कतिया** के स्थान पर आवेदक **श्रीमती आभा भट्टाचार्य, पति- श्री दीपक भट्टाचार्य** ने **मकान नं. 904 , वार्ड क्र.- 14. ,....... वार्ड,** क्षेत्रफल 700 व.फु., भूतल 700 व.फु., प्रथमतल 700 व.फु., **दस्तावेज- विक्रय पत्र** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/333 2024-25 दिनांक 12/03/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. 1000506336 में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री गुरूदीप सिंह सलूजा, पिता-स्व. श्री अमरीक सिंह सलूजा** के स्थान पर आवेदक **श्री दिलीप मोटवानी, पिता- झामन दास मोटवानी** ने **मकान नं. 271,272, ड्यूपेल्स नं. -15 , वार्ड क्र.- 12. ,....... वार्ड,** क्षेत्रफल 900 व.फु., भूतल 620 व.फु., प्रथमतल 620 व.फु., **दस्तावेज- पंजीकृत विक्रय पत्र** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/332 2024-25 दिनांक 13/03/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. 1000506928 में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री प्रदीप कुमार लाम्बा, पिता- श्री श्रीराम लाम्बा** के स्थान पर आवेदक **श्री रूपेन्द्र कुमार जैन, पिता- स्व. श्री दानपति राजेन्द्र कुमार जैन, श्रीमती वर्षा जैन, पति- श्री दानपति रूपेन्द्र कुमार जैन** ने **मकान नं. एफ. 6, वार्ड क्र.- 12. ,....... वार्ड,** द्वितीयतल 544 व.फु., **दस्तावेज- पंजीकृत विक्रय पत्र एवं लिंक रजिस्ट्री,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/331 2024-25 दिनांक 11/03/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. 1000622478 में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री मनिन्दर सिंह साहनी, पिता- स्व. श्री सरदार हरवंश सिंह साहनी** के स्थान पर आवेदक **श्री संतोष कुमार टेकचंदानी, पिता- स्व. श्री मनोहर लाल टेकचंदानी** ने **मकान नं. 147/1 शॉप-03, वार्ड क्र.- 10. ,....... वार्ड,** भूतल 138 व.फु., **दस्तावेज- पंजीकृत विक्रय पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

संभागीय कार्यालय संभाग क्रं-15 सुहागी,नगर निगम, जबलपुर

प्रकरण क्रं./ संभा.अधि./ राजस्व./ M 121/2024-25 दिनांक 06/03/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **श्रीमती तृप्ति कोष्टा, पति- श्री अशोक कुमार पठोदिया** के द्वारा **वार्ड क्रं. 72 दादा ठनठनपाल वार्ड** के निगम सम्पत्ति आई.डी. क्र. 1004379528 के पंजीकृत स्वामी श्री रवि विश्वकर्मा, पिता श्री गेंदालाल विश्वकर्मा के नाम से दर्ज ई.डब्ल्यू.एस. प्लाट नं. 13 अनमोल परिसार रिमझा का प्लाट एरिया 913 व.फु. जिसका मौजा रिमझा खसरा नं. 1 के भाग में स्थित प्लाट , **विक्रय/क्रय** की गई संपत्ति पर निम्न दस्तावेजों- **ई-पंजीयन प्रमाण पत्र, संपत्ति लेजर रिपोट, आधार कार्ड** के आधार पर नगर निगम राजस्व कम्प्यूटर रिकार्ड में अपना नाम दर्ज किये जाने नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है जिस किसी को भी आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रं- 15 सुहागी** में दस्तावेज / प्रमाण सहित आपत्ति आवेदन प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी (राजस्व) संभाग क्रमांक 15 सुहागी नगर पालिक निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025 एम. 559/ 2024/2025 दिनांक 13.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती अंजना जैन, पति- श्री प्रदीप जैन** ने भूखंड क्रं. 49/बी पिन क्र. 100598081 का भाग **वार्ड क्र. 01, वार्ड गढ़ा** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री लक्ष्मी शंकर तिवारी, पिता- श्री चिन्तामन तिवारी, क्षेत्रफल 900 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025 एम. 558/ 2024/2025 दिनांक 12.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **1. श्रीमति सुश्रिता मंजूरी शर्मा, पति- श्री रवि कुमार शर्मा, 2. श्री रवि कुमार शर्मा, पिता- स्व. श्री नन्दकिशोर शर्मा** ने भूखंड क्रं. 126 एवं 127 पिन क्र. 1002958061 का भाग **वार्ड क्र. 71, वार्ड वीर दुर्गादास राठौर** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री आशीष साहू, पिता- स्व. श्री राजेन्द्र प्रसाद साहू क्षेत्रफल 1500 व.फु., भूतल 1200 व.फु., प्रथमतल 1200 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025 एम. 557/ 2024/2025 दिनांक 10.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **1. श्री मूरत लाल साहू, पिता- श्री हलके प्रसाद साहू, 2. श्रीमती सुमन साहू, पति-श्री मूरत लाल साहू,** ने खसरा क्रं. 706/2 पिन क्र. 1004059973 का भाग **वार्ड क्र. 03, वार्ड त्रिपुरी** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री किशन विश्वकर्मा, पिता- स्व. श्री सुन्दर लाल विश्वकर्मा एवं श्री अरविन्द विश्वकर्मा, क्षेत्रफल 650 व.फु., भूतल 650 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025 एम. 556/ 2024/2025 दिनांक 10.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती सपना जैन,पति- श्री राकेश कुमार जैन** ने भूखंड क्रं. 62 पिन क्र. 1000703887 **वार्ड क्र. 71, वार्ड वीर दुर्गादास राठौर** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री राजेश सेठी, पिता- श्री पी.सी.सेठी, क्षेत्रफल 495 व.फु., भूतल 495 व.फु.,प्रथमतल 444 व.फु. , **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025 एम. 555/ 2024/2025 दिनांक 10.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री जीतेन्द्र सिंह राजपूत, पिता- श्री शंभू सिंह** ने भूखंड क्रं. सी-51 पिन क्र. 1000703822 **वार्ड क्र. 71, वार्ड वीर दुर्गादास राठौर** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री सचिन कुचया, पिता- स्व. श्री कमलेश कुचया, भूतल 900 व.फु.,प्रथमतल 850 व.फु. , **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025 एम. 554/ 2024/2025 दिनांक 10.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री स्वदेश जैन, पिता- श्री सुरेशचंद्र जैन** ने भूखंड क्रं. 02 पिन क्र. 1000703256 **वार्ड क्र. 71, वार्ड वीर दुर्गादास राठौर** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती सरोज मिश्रा, पति- श्री शाशिकांत मिश्रा, क्षेत्रफल 1500 व.फु., भूतल 1200 व.फु.,प्रथमतल 1100 व.फु. , **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025 एम. 553/ 2024/2025 दिनांक 10.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती ज्योतिमाला साहू, पति-श्री गौरव कुमार साहू,** ने भूखंड क्रं. 90 पिन क्र. 1004551988 का भाग **वार्ड क्र. 16, वार्ड महाराणा प्रताप** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री प्रवीण वर्मा, पिता- श्री एस.एन. वर्मा, क्षेत्रफल 1608 व.फु. , **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025 एम. 551/ 2024/2025 दिनांक 10.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री अमित भाटिया, पिता- श्री विजय भाटिया** ने फ्लैट क्रं. एल.आई.जी.-102 पिन क्र. 1000510118 का भाग **वार्ड क्र. 06, वार्ड इंदिरा गांधी** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री अजय दुबे, पिता- स्व. श्री के.के. दुबे, एवं श्रीमती अंजू दुबे, पति- श्री सुनील दुबे, प्रथमतल 667 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2025 एम. 552/ 2024/2025 दिनांक 10.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री शैफाली सिंह बघेल, पिता- सतेन्द्र सिंह बघेल** ने फ्लैट क्रं. 108 पिन क्र. 1000510118 का भाग **वार्ड क्र. 06, वार्ड इंदिरा गांधी** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री अजय दुबे, पिता- स्व. श्री के.के.दुबे एवं श्रीमती अंजू दुबे, पति- श्री सुनील दुबे, प्रथमतल 770 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 साठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। मो.नं. 9300696096, भोपाल 9425025999